अषाढ़ मास, शुक्ल पक्ष 20 वर्ष, अंक 203 पृष्ठ 8 मूल्य 1.00

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज से प्रकाशित

www.akhandbharatsandesh.net

नगर संस्करण प्रयागराज | रविवार 18 जुलाई 2021 | विश्व निर्माण एवं मानव विकास को द्रुतगति प्रदान करने हेतु क्रियायोग आश्रम एवं अनुसंधान आश्रम की अनुपम भेंट

क्रियायोग संदेश

स्थायी सुख, शान्ति व निर्भय वातावरण के लिए "क्रियायोग अभ्यास करें" सत्य की अनुभूति में सभी प्रकार के क्लेश हमेशा के लिए दूर हो जाते हैं। अध्यात्मिक वैज्ञानिकों ने सिद्ध कर दिया है कि क्रियायोग के द्वारा हम सत्य से जुड़ जाते हैं। ज्ञान, शक्ति, शान्ति, आनन्द, नाम-यश, धन आदि के लिए मनुष्य को दर-दर भटकना पड़ता है, और प्राप्त न होने पर मनुष्य में हिंसक प्रवृत्ति प्रकट होती है। क्रियायोग में भक्ति दृढ़ होने पर ज्ञान, शक्ति, शान्ति,आनन्द, धन आदि सब कुछ स्वयं मनुष्य के पास आ जाते हैं।

क्रियायोग प्राचीनतम् एवं नित्य नवीन पूर्ण विज्ञान है। ईश्वरीय नियमों के अनुसार कलिकाल में क्रियायोग का ज्ञान विलुप्त हो गया। आरोही द्वापर युग के आते ही मृत्युंजय अमर गुरु श्री महावतार बाबा जी द्वारा क्रियायोग को पुनर्जीवित कर पुनः परिष्कृत किया गया। उन्नीसवीं शताब्दी में महावतार बाबाजी ने क्रियायोग को लाहिड़ी महाशय जी के माध्यम से मानवजाति को दिया। क्रियायोग ही सनातन धर्म में वर्णित यज्ञ है। क्रियायोग ही वेदपाठ है। क्रियायोग अभ्यास से मनुष्य को अपने वास्तविक स्वरूप "अहंब्रह्मास्मि" की अनुभूति एक ही जन्म में सम्भव है।

स्वामी श्री योगी सत्यम्
क्रियायोग आश्रम एवं अनुसंधान संस्थान
प्रयागराज
10 मिनट का अभ्यास 20 वर्ष का विकास

पानी को तरस रही दिल्ली में सड़कों पर उठे सियासी लहरें

नई दिल्ली (एजेंसी)। पानी को तरस रही दिल्ली में इसे लेकर सड़कों पर सियासत चल रही है। कांग्रेस-भाजपा ने दिल्ली की केजरीवाल सरकार पर हमला बोल दिया है। इस बीच हरियाणा द्वारा यमुना में छोड़ा गया 16 हजार क्यूसेक पानी दिल्ली आ पहुंचा है। पानी तो सुबह ही पहुंच गया बताते हैं लेकिन दिन में इस मसले पर राजनीतिक विरोध-प्रदर्शन होता रहा। प्रदेश भाजपा ने दिल्ली में पेयजल संकट के लिए मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को जिम्मेदार ठहराते हुए उनके निवास के समक्ष प्रदर्शन किया। इस दौरान भाजपाइयों ने पुलिस के दो बेरीकेट तोड़ दिए, लेकिन पुलिस ने उनको तीसरा बेरीकेट पार नहीं करने दिया। प्रदर्शन का नेतृत्व प्रदेश भाजपा के अध्यक्ष आदेश गुप्ता ने किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि पानी की एक-एक बूंद का हिसाब होना चाहिए।

कांग्रेस ने कहा बीमारी नहीं पानी दो

बीमारी नहीं पानी दो, दिल्ली को स्वच्छ पानी दो। गहराते जल संकट पर विरोध जताने के लिए कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने मुख्यमंत्री निवास के लिए कूच किया। सुरक्षा कर्मियों ने उन्हें बैरिकेड से पहले ही रोक लिया। प्रदेश अध्यक्ष अनिल कुमार के नेतृत्व में शुक्रवार को कांग्रेस कार्यकर्ता सिविल लाइन से मुख्यमंत्री निवास के लिए खाली मटका लेकर रवाना हुए। प्रदेश

अध्यक्ष ने कहा कि आरोप लगाया कि अरविन्द केजरीवाल के 7 वर्षों के कुप्रबंधन और असंवेदनशीलता के कारण दिल्लीवासी पानी के लिए तरस रहे हैं। रोष जताने के लिए कार्यकर्ताओं ने केजरीवाल के निवास के पास खाली मटकों के साथ प्रदर्शन किया। हाथों में तख्तियां लेकर कार्यकर्ताओं ने सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए दूसरे राज्यों को भी मुफ्त पानी देने के नाम पर गुमराह करने के आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि केजरीवाल दिल्लीवालों को हर माह 20,000 लीटर मुफ्त पानी कैसे देंगे जब नलों में ही पानी की आपूर्ति ठीक तरह से नहीं हो रही है। प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि कांग्रेस की शीला सरकार ने दिल्लीवालों पानी मुहैया कराने के लिए हरियाणा सरकार पर दवाब बनाकर दिल्ली में पानी की पर्याप्त आपूर्ति करवाई थी। पानी की किल्लत दूर करने के बजाय दिल्ली-हरियाणा सरकारें राजनीति कर रहें है। उन्होंने मांग की कि दिल्ली सरकार को पानी की किल्लत दूर करने के लिए तत्काल कदम उठाना चाहिए ताकि लोगों को राहत मिल सके।

हरियाणा से दिल्ली पहुंचा पानी

हरियाणा से 16 हजार क्यूसेक पानी शुक्रवार को दिल्ली पहुंच गया है। इससे दिल्ली को जल संकट से निजात मिलने की उम्मीद जगी है। इस पर दिल्ली जल बोर्ड के उपाध्यक्ष राघव चड्ढा ने हरियाणा सरकार पर निशाना साधा। बकौल चड्ढा, दिल्ली वालों का संघर्ष सफल हो गया है। दिल्ली के हक का पानी रोकने के मामले में हरियाणा सरकार के असली चेहरे का पर्दाफाश हुआ है।चड्ढा ने हरियाणा से दिल्ली पानी पहुंचने पर वजीराबाद बैराज का निरीक्षण भी किया। राघव चड्ढा ने हरियाणा से पानी मिलने पर मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को श्रेय दिया। उन्होंने कहा कि अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व में आखिरकार हरियाणा सरकार से दिल्ली वालों के हक का पानी ले ही लिया है। दरअसल हरियाणा के पानी रोकने पर नदी में पानी का स्तर बहुत कम हो गया था और दिल्ली वालों का गला भी सूख गया था।

कोरोना अभी थमा नहीं कि आ गई नई मुसीबत, अमेरिका में मिला मंकीपॉक्स का पहला मामला

नई दिल्ली (एजेंसी)। अभी दुनिया कोरोना वायरस से जूझ ही रही है कि नई नई मुसीबतें सामने आती जा रही हैं। दरअसल, रोग नियंत्रण और रोकथाम केंद्र (सीडीसी) ने कहा है कि अमेरिका के टेक्सास में एक व्यक्ति दुर्लभ मंकीपॉक्स वायरस से संक्रमित पाया गया है। सीडीसी ने एक प्रेस रिलीज में कहा, ठरोग नियंत्रण और रोकथाम केंद्र (सीडीसी) और टेक्सास राज्य स्वास्थ्य सेवा विभाग ने 15 जुलाई को एक अमेरिकी निवासी में मानव मंकीपॉक्स के मामले की पुष्टि की है। इस व्यक्ति ने हाल ही में नाइजीरिया से अमेरिका की यात्रा की थी। संक्रमित मरीज को डलास के अस्पताल में भर्ती करा दिया गया है।वहीं अमेरिका का सेंटर्स फॉर डिसीज कंट्रोल एंड प्रिवेंशन और बाकी एजेंसियां व्यक्ति के संपर्क में आए लोगों को खोजने में जुटी हुई हैं, ताकि इस बीमारी के प्रकोप को रोका जा सके।

सुरक्षा तंत्र पर उठे सवाल, चार जिलों से आतंकियों ने खरीदे थे असलहे

लखनऊ (एजेंसी)। लखनऊ में पकड़े गए अलकायदा समर्थित संगठन के आतंकियों ने एटीएस की पूछताछ में चार जिलों से कारतूस और असलहे खरीदने की बात कबूल की थी। इस बात का जिक्र एटीएस ने कोर्ट में दाखिल प्रार्थना पत्र में किया है। आतंकियों ने बताया कि वे कानपुर, मुजफ्फरनगर, गाजियाबाद और चंदौली से असलहे और कारतूस खरीदे थे।ऐसे में सवाल इस बात का है कि इसकी भनक जिला पुलिस से लेकर अन्य एजेंसियों को क्यों नहीं लग पाई है। आतंकियों को असलहा आपूर्ति के तार चंदौली से जुड़ने की बात सामने आने पर अब सुरक्षा तंत्र की कार्य प्रणाली सवालों के घेरे में आ गई है।

आईएसआई एजेंट के रूप में पकड़ा जा चुका है राशिद

मुगलसराय कोतवाली क्षेत्र के चौरहट गांव से दो वर्ष पूर्व आर्मी इंटेलिजेंस और एटीएस की संयुक्त टीम राशिद को आईएसआई एजेंट के रूप में गिरफ्तार किया था।

वह पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी के लिए रेकी करता था। इसके बाद से जिले में आतंकियों संगठनों के समर्थकों की पनाहगाह होने की सुगबुगाहट तेज हो गई थी। वहीं हाल ही में पकड़े आतंकी समर्थकों द्वारा असलहों की खरीद में चंदौली का नाम सामने आने के बाद से मामला और अधिक गंभीर हो गया है।

पंडित दीनदयाल उपाध्याय जंक्शन पर कई बार पकड़ी गई है असलहों की खेप

पंडित दीनदयाल उपाध्याय जंक्शन (पीडीडीयू नगर) से गुजरने वाली ट्रेनों से जीआरपी कई बार असलहों की खेप पकड़ चुकी है। जीआरपी अब तक 44 पिस्टल और तीन तमंचा बरामद कर चुकी है। अधिकतर असलहों की आपूर्ति मुंगेर से होती थी जो ट्रेन से कानपुर, मुरादाबाद समेत अन्य शहरों में भेजे जाते थे। इस बात की आशंका जताई जा रही है कि रेलवे स्टेशन पर पुलिस की सख्ती के बाद असलहा तस्करों ने सड़क मार्ग पकड़ लिया हो। जनपद स्थित नौबतपुर बिहार बार्डर से सटा होने के कारण यहां से प्रदेश की सीमा में प्रवेश करना आसान है।

शपथ ग्रहण एवं अभिनन्दन समारोह
20 जुलाई 2021

सपा के शीर्ष नेतृत्व को सहयोग के लिए आभार
करछना विकास खण्ड के बहुमुखी विकास के लिए कृत संकल्प सपा करछना ब्लाक प्रमुख
सरोज द्विवेदी पत्नी कमलेश द्विवेदी
को
भारी बहुमत से जीत के लिए करछना विकास खण्ड के समस्त सम्मानित क्षेत्र पंचायत सदस्यों, ग्राम प्रधानों एवं सहयोगी साथियों सहित क्षेत्रीय जनता को बहुत-बहुत धन्यवाद।
हृदय से सभी का आभार स्नेह प्यार मिलता रहे यही कामना है।

नई हवा है-नई सपा है
बड़ो का हाथ, युवा का साथ

पार्टी के सभी सहयोगियों से कामना करता हूँ कि शपथ ग्रहण समारोह में शामिल होकर शीर्ष नेतृत्व को बल प्रदान करने में सहयोग करें।

निवेदकः
मिथिलेश द्विवेदी
(G.M.C. Group)
देवरी कला, करछना, प्रयागराज

समाजवादी पार्टी

घूस लेने के आरोप में हंडिया का कानूनगो निलंबित

वीडियो वायरल होने पर पूर्व आईपीएस ने डीएम से की थी शिकायत

अखंड भारत संदेश

हंडिया/प्रयागराज। घूस लेने के आरोप में हंडिया के कानूनगों संतोष यादव को निलंबित कर दिया गया है। उनके खिलाफ जांच बैठाने के साथ विभागीय कार्रवाई की भी संस्तुति की गई है।

प्रतापपुर में तैनात संतोष यादव का घूस लेते वीडियो वायरल हुआ है। एक वीडियो में वह भूमि सीमांकन के सिलसिले में शिव दत्त तिवारी से 13 हजार रुपये लेते हुए दिखाई दे रहे हैं। वहीं दूसरे वीडियो में वह कुछ धनराशि वापस कर रहे हैं। बताया जा रहा

है कि शिकायत के बाद कानूनगो ने 50 फीसदी राशि शिव दत्त को वापस कर दी।

पूर्व आईपीएस अमिताभ ठाकुर और उनकी पतने समाजसेवी नूतन ठाकुर ने इसकी शिकायत डीएम से की। अमिताभ ठाकुर का कहना है कि कई अन्य लोगों ने भी कानूनगो के खिलाफ शिकायत की है। वे लोग साक्ष्य देने के लिए भी तैयार हैं। एसडीएम सदर अजय नारायण का कहना है कि जांच में प्रथम दृष्टतया आरोप सही पाया गया है। इसलिए कानूनगों के खिलाफ विभागीय कार्रवाई की संस्तुति की गई है। वहीं सीआरओ भानु प्रताप यादव ने बताया कि कानूनगो को निलंबित कर दिया गया है। जिला स्तर के अधिकारी मामले की जांच करेंगे। जांच रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

पड़ोस के नाबालिक लड़की के साथ दुष्कर्म मुकदमा दर्ज

बहरिया। थाना के सिकंदरा चौकी अंतर्गत निवासी गोरापुर अरविंद उर्फ चुलबुल पुत्र जीतलाल उम्र लगभग 22 वर्ष अपने पड़ोस के नाबालिग लड़की को बहला-फुसलाकर गांव के बगल ही बाग में शनिवार की सुबह झाड़ियों में ले जाकर दुराचार कर रहा था।कि गांव के ही कुछ लोगों ने उसको देख लिया और यह सूचना किशोरी के परिजनों को दी। मौके पर उसके परिजन भी पहुंच गए और अरविंद उर्फ चुलबुल को पकड़ने का प्रयास किया तो वह हाथ छुड़ाकर भाग निकला। जिसकी सूचना लड़की के मां-बाप बहरिया थाने पर लिखित रूप से दिया।

बंद मकान में शॉर्ट सर्किट से लगी आग, लाखों रुपए का नुकसान

अखंड भारत संदेश

नैनी। कोतवाली क्षेत्र के मामा भांजा तालाब बाजार के समीप प्रवास कॉलोनी में एक बंद मकान में बीती देर रात बाद अचानक आग लग जाने से लाखों रुपए के घरेलू उपकरण सहित खाद्य सामग्री जलकर राख हो गए।

जानकारी के मुताबिक शिवकुटी की रहने वाली तनु पुत्री राजेश कुमार ने नैनी कोतवाली क्षेत्र के मामा भांजा स्थित प्रवास कॉलोनी में मकान बनवा कर रहते हैं। इन दिनों उनके परिवार के एक सदस्य बीमार होने की वजह से अस्पताल में भर्ती हैं। जिन्हें देखने

के लिए परिवार समेत मकान में ताला बनकर गए हुए थे। बीती देर रात बाद लगभग 2:00 बजे अचानक घर से धुआं निकलते देख पड़ोसियों में हड़कंप मच गया। जब तक पड़ोसी कुछ कर पाते, आग विकराल रूप ले ली और धूं-धूं करके मकान जल उठा।

सूचना मिलने पर पुलिस के साथ ही फायर बिग्रेड की टीम मौके पर पहुंची और घंटों कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया, लेकिन तब तक लाखों रुपए के उपकरण व खाद्य सामग्री जलकर राख हो चुके थे।

विकास खंड करछना के गांव एक मांडल के रूप में विकसित होंगे : प्रमुख सरोज द्विवेदी

अखंड भारत संदेश

करछना। विकास खंड के गांवों में जनता का विश्वास जीतने का प्रयास करूगी, पार्टी के सहयोगी सभी पंचायत सदस्यों के साथ मिलकर विकास कार्य को प्राथमिकता दी जाएगी जिस विश्वास के साथ सभी का सहयोग रहा है, उस पर खरा उतरने का पूरा प्रयास करूगी ।

उक्त बातें सपा समर्थित नव निर्वाचित ब्लाक प्रमुख करछना श्री मती सरोज द्विवेदी ने पत्रकारों से रूबरू एक वार्ता के दौरान कही।

उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी के शीर्ष नेतृत्व ने जिस विश्वास के साथ टिकट देकर भरोसा जताया है, उस विश्व ास पर खरा उतरने का प्रयास करूगी, बताया कि

करछना विकास खंड के गांवों में विकास कार्य को तेजी से कराया जाएगा, जिससे गांव के लोगों को मुख्य धारा में जोड कर उनकी समस्याओं को पूरा करने एवं अधूरे पड़े कार्य को जल्द पूरा कराया जाएगा ।साथ ही समूचे गांवो को विकसित कर गांवो को एक मांडल के रुप में तैयार किया किया जायेगा और विकास को प्राथमिकता दी जाएगी ।

प्रियका गांधी से मिले कांग्रेसी,बनाई रणनीति

अखंड भारत संदेश

करछना। अखिल भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की महासचिव प्रियंका गांधी के लखनऊ आगमन पर करछना के कांग्रेसियों ने मुलाकात कर आगामी चुनाव की रणनीति बनाई।जिलाध्यक्ष अरूण कुमार तिवारी के नेतृत्व में सैकड़ों कांग्रेसियों ने उनसे मिलकर संगठन की मजबूती के साथ-साथ बूथ स्तर तक के कार्यकर्ताओं की जिम्मेदारी पर गहन चर्चा की।इस दौरान करछना में पार्टी की स्थिति और जन समस्याओं को बराबर उठाने को लेकर भी विमर्श किया गया।

करोड़ों लागत से बनी पेयजल योजना वर्षों से ग्रामीणों की प्यास बुझाने में असमर्थ

ग्रामीण हैंडपम्प के गन्दा पानी पीने को मजबूर हो रहे हैं

करछना के सुलमई , ककरम गांव की पेयजल योजनाएं बाधित है गांवो में पेयजल का गंभीर संकट गहराया

शिवा कांत निषाद

भदेंवरा। विकास खंड करछना के सुलमई और ककरम गांवो के ग्रामीणो को पेयजल ब्यवस्था उपलब्ध कराने के लिए वषी पूर्व गांवो में जल निगम विभाग द्वारा पेयजल योजना के अंतर्गत इन गांवों में नलकूप व पानी की टंकी का निर्माण कराया गया था, उस दौरान लोगों को यह उम्मीद जगी थी कि अब उन्हे पानी केलिए इधर-उधर भटकना नहीं पडेगा ।साथ ही इन गांवो के अलावा आसपास के गांवों को इस पेयजल योजना का लाभ मिल रहा था।

ग्रामीणों के मुताबिक इस पेयजल परियोजना के लगने के शुरुआत में कुछ वर्षों बाद देख रेख के अभाव में धीरे-धीरे तकनीकी खामियां उत्पन्न होने से पानी की सप्लाई बंद हो गई , मोटर की खराबी व जगह-जगह पाइपलाइनों का चोक होने तथा विद्युत की तकनीक खामियां आदि कारणों से लगभग आठ वर्षों से इन गांवो में पेयजल संकट चला आ रहा है।

इन नलकूपों पर कार्यरत ऑपरेटर घर बैठे तनख्वाह ले रहे हैं ।और वषी से ग्रामीण हैंडपम्प के सहारे कीचड़ युक्त पानी पीने को मजबूर हो रहे हैं, इस संबंध में ग्रामीणो ने अनगिनत बार शिकायतें गांव के प्रधान के द्वारा खंड विकास अधिकारी करछना, व तहसील समाधान दिवस पर के अलावा समबन्धित विभाग के उच्च अधिकारियों तक अपनी आवाज़ बुलंद की पर समस्या का समाधान नहीं हो सका है ।ग्रामीणो ने समबन्धित विभाग के अधिकारियों से इस ओर ध्यान केंद्रित किए जाने अपील की है । ये 2010 में चालू की गई परियोजना की अनुमानित लागत एक करोड़ बताई जा रही है ।

सुलमई गांव के प्रभा कान्त यादव का कहना है कि पेयजल योजना बनने के मात्र दो महीने तक संचालित हुई थी, लगभग 10 वर्ष से बंद पडी है ।

गाँव के दुर्जन निषाद का कहना है कि अधिकारियों की उपेक्षा की शिकार इस पेयजल योजना का लाभ न मिलने से गांव वासी काफी उपेक्षित महशूस कर रहे हैं।

सुलमई गाँव के समाज सेवी मिथिलेश प्रसाद मिश्र ने बताया कि गांव के लोग सरकार की इस पेयजल योजना का लाभ पाने में वषी से बंचित है, लोग पानी के लिए भटक रहे हैं ।

वीरन बाबू निषाद इनका कहना है कि पेयजल की इतनी सारी सूचना अखबार में छपी लेकिन कोई भी इस ध्यान नहीं दिया ।पेयजल का संकट कई सालो से सुलमई गांव में बरकरार है।

भाजपा नेता को पितामही(दादी) शोक

अखंड भारत संदेश

सहसों। भाजपा के जिला उपाध्यक्ष एवं छत्रपति शिवाजी डिग्री कॉलेज के प्रबंधक सहसों निवासी अनिरुद्ध सिंह पटेल की दादी (पितामही) राजपत्ती देवी 95 वर्ष की शनिवार को सुबह निधन हो जाने पर क्षेत्रीय विधायक प्रवीण पटेल ने उनके आवास सहसों पर पहुंचकर शोक संवेदना व्यक्त करते हुए श्रद्धांजलि अर्पित की। शोक संवेदना व्यक्त करने वालों में शिवाजी इंटर कॉलेज के प्रबंधक तीरथ सिंह, बलराम सिंह, गुलाब सिंह, हनुमत सिंह, रामू सिंह, ग्राम प्रधान विष्णू केसरवानी, पवन शुक्ला, विमल मिश्र, संदीप द्विवेदी, राजेश कुमार द्विवेदी ,अनुराग सिंह , शिव नारायण सिंह गप्पू , मांधाता सिंह, टीएन सिंह, धर्मेंद्र मौर्य , रविंद्र सिंह, सोनू , संजय सिंह, जमुना मौर्या सहित भारी संख्या में क्षेत्रीय गणमान्य व्यक्तियों ने श्रद्धांजलि अर्पित की।

अपने सपनों को साकार करने में जुटा है यह संगीतकार

बचपन से ही छोटे मोटे मंचो पर करता चला आ रहा हैं प्रदर्शन

ग्रामीण क्षेत्र का यह कलाकार नही रहा परिचय को मोहताज

अपने सपने को सँजोने में संघर्ष करते दिख रहे है बरफी लाल तराना

दो दर्जन से ज्यादा गाने हैं यूट्यूब पर अपलोड

अखंड भारत संदेश

उतरांव/प्रयागराज। मेहनत व संघर्ष करने वाला व्यक्ति एक न एक दिन जरुर सफल होता है। वही मेहनत कभी किसी की खराब नहीं जाती।पौड़न उत्तराव दायमगंज निवासी बरफ़ी लाल तराना जो बचपन से ही गाना गाकर लोगों का मन लुभाने में जुटे रहते थे। वही अब वह परिचय के मोहताज नहीं रह गए। अपने गीतों से वह लोगों को आकर्षित करने में कोई कोर कसर नहीं छोड़ते। वही अब भी तराना अपने गीतों के माध्यम से बचपन से अब तक अपने सपने को साकार करने में जुटे हुए हैं। इनके द्वारा

लगभग दो दर्जन से ज्यादा गीतों का प्रदर्शन किया गया है।जो यूट्यूब पर लोगों द्वारा देखा व शेयर किया जा रहा है। इस वर्ष इनके द्वारा भोजपुरी गीत गाया गया है। जो दर्शकों द्वारा बहुत ही तेजी के साथ देखा जा रहा है।एक गरीब परिवार का यह बेटा अपने सपने को साकार करने में संघर्ष करता दिख रहा है। इनके द्वारा बचपन से ही छोटे-मोटे मंचों पर प्रदर्शन करते चले आ रहे है। आज पूर्वांचल में भोजपुरी गीतों के माध्यम से अपने सुरों का जलवा बिखेर रहे है। वहीं इनका बुलावा बड़े-बड़े कार्यक्रमों में गीतों के माध्यम से लोगों को मनोरंजन कराते है। इनके गीतों पर युवाओं की रुचि देखने में बढ़ती जा रही है। क्षेत्र का यह युवा गायक कार अपने गांव सहित जिले का भी नाम रोशन कर रहा है।

निगरानी समिति की बैठक आयोजित

जन और गांवों की समस्या समाधान करूंगा,,अभिनव कनौजिया

भूमि प्रबन्धक समिति की कार्यवाही भी सम्पन्न

अखंड भारत संदेश

कोरांव/प्रयागराज। न्याय पंचायत महुली के ग्राम पंचायत अल्हवा में आयोजित निगरानी समिति की एक आवश्यक बैठक सम्पनन हुई,जिसमे मुख्य अतिथि उप जिला मजिस्ट्रेट कोराव अभिनव कनोजिया ने संबोधित करते हुए कहा कि जन ता और गांवों की समस्याओं का समाधान त्वरित करूंगा।

श्री कनोजिया उपजिलाधिकारी ने जनता और पंचायतों का आह्वान किया किया कि लोग कोविड 19 गाइड लाइन का पालन करें। और ज्यादा से ज्यादा पौध लगाएं। उन्होंने कहा कि ग्राम पंचायत अल्हवा में को भी ग्राम प्रधान जी ने ज्ञापन दिया है उसे तत्काल अमल में लाकर समुचित कार्यवाही करूंगा। एसडीएम ने कहा कि माननीय विधायक कोरांव को उक्त कार्यक्रम में पहुंचना था किन्तु अचानक लखनऊ एक मीटिंग में

चले जाने के कारण उन्होंने समस्याओं के समाधान करने व ज्ञापन लेने के लिए मुझे अधिकृत किया। उन्होंने कहा कि गांव की सड़कों की मरम्मती करण मार्गी, निर्माण हेतु सम्बन्धित विभाग को पत्र लिख कर समाधान कराऊंगा। साथ ही उप स्वास्थ्य केंद्र के स्वीकृति हेतु भी सम्बन्धित विभाग को पत्र लिख कर निर्मित कराने का प्रयास करूंगा। और भूमिहीनों आवास और कृषि कार्य हेतु आवंटन किए जाने का राजस्व लेखपाल को निर्देश भी दिया। उन्होंने सार्वजनिक वितरण प्रणाली को चुस्त दुरुस्त बनाए रखने के लिए निगरानी करने व कोटेदार की जांच कराकर हटाने की कार्यवाही भी करूंगा। उन्होंने विधायक जी के नाम से संबोधित प्रधान अल्हवा के ज्ञापन को लेकर समस्याओं का समाधान करने की भी बात कही। जनसुनवाई के दौरान उन्होंने जनता को विकास कार्यों में बाधा डालने व चकमारगों के अवैध कब्जों पर लेखपाल को पुलिस बल के साथ विधिक कार्रवाई करने का निर्देश भी दिया।इसी प्रकार अधीछक सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कोरांव डाक्टर जे0के0सोनकर ने कार्यक्रम की सदारत की। उन्होंने टीकाकरण से लेकर स्वास्थ्य हित में ग्रामीणों को संबोधित किया और सुझाव दिए। साथ ही उप स्वास्थ्य केंद्र अल्हवा में स्थापित किए जाने हेतु पत्रावली आगे बढ़ा कर बनवाने के प्रयास की बात कही। रोटरी इलाहाबाद के निदेशक देश दीपक आर्या ने बच्चों को व कुछ नागरिकों को मास्क वितरित किया।

मुख्य अतिथि आदि का स्वागत किया। वैद्यनाथ संस्थान नैनी के प्रोप्राइटर संजय शर्मा,रोटरी के चेयरमैन गौरेश आहूजा,एवम सचिव रोहित मेहरोत्रा ने भी संबोधित किया। कार्यक्रम का संचालन प्रधान अल्हवा अहद अहमद सिद्दीकी उर्फ शहजादे ग्राम प्रधान अल्हवा व फाउंडर मिसकीन सेवा संस्थान ट्रस्ट ने किया। और उपजिलाधिकारी को माल्यार्पण सहित अंगवस्त्र के साथ सम्मानित किया। मुख्य अतिथि उप जिलाधिकारी कोरांव श्री कनोजिया को ज्ञापन सौंपा। कार्यक्रम में विसीपीम कोरांव अस्पताल मिश्रा जी,ग्राम विकास अधिकारी अभिषेक सोनकर,लेखपाल अतुल तिवारी,अध्यापक पंकज दिक्छित,उदय सिंह,श्रीमती उपासना सिंह कुशवाहा,प्रधान प्रतिनिधि अनस अहमद, प्रधान संसारपुर डाक्टर लाला सिद्दीकी,आंगन बाणी सोन कली,आशा बहू बिट्टो बेबी,महिला स्वयं सहायता समूह की महिलाएं,ग्राम के सभासद, रोजगार सेवक सूर्य दिन सिंह पटेल, श्रमिक, किसान, आमजन आदि उपस्थित रहे। कार्यक्रम में गांव के सार्वजनिक स्थलों पंचायत भवन,स्कूल आदि में पौध रोपण भी किया गया।

सार्वजनिक भूखंडों पर अवैध कब्जे

अतिक्रमण कर्ताओं के विरूद्ध जांच टीम गठित का कलेक्टर ने दिया हुक्म

ग्राम प्रधान ने 28 जून को जिलाधिकारी से भेंट कर दिया था अवेदन

अखंड भारत संदेश

कोरांव/प्रयागराज। तहसील कोरांव के ग्राम पंचायत अल्हवा में भारी संख्या में सार्वजनिक जमीनें भू माफियाओं,अतिक्रमण कर्ताओं ने अपने कब्जे में करके फसल का लाभ उठा रहे हैं। जिससे राजस्व की अपुर्णनिय छती हो रही है, साथ ही गरीब भूमिहीन कृषि एवम आवासीय आवंटन के लाभ से वंचित है। जिस कारण ग्राम प्रधान ने जिलाधिकारी संजय कुमार खत्री,और उप जिलाधिकारी कोरांव अभिनव कनोजिया को लिखित शिकायत प्रार्थना पत्र जनहित में दे कर विधिक कार्रवाई की मांग की है।

उल्लेखनीय है कि ग्राम अल्हवा में सरहगों ने बीस साल पूर्व हुई चक बन्दी के बाद रिजर्व सार्वजनिक जमीनें तथा पिछले वर्ष दुबारा हुई चक बन्दी से बची सैकड़ों बीघा जमीन जैसे बचत,नवीन परती,मार्ग, बनजर, उसर, नदी, नाला, चक मार्गी की जमीनें जब्रजस्ती सरहंगई से जोत बो कर फसल उगा कर लाभ उठा रहे हैं। और काफी सेक्टर चकरोड रास्ते की जमीनें अतिक्रमण करके आवागमन अवरुद्ध कर दिए हैं जिससे। किसान नागरिक उक्त मार्गी से आ जा नहीं पा रहे है। इतना तक की ग्राम पंचायत द्वारा मनरेगा योजना से गांव की समस्त चकमारगों पर मार्ग निर्माण का कार्य चालू किया गया है,जिससे निर्माण कार्य में व्यवधान उत्पनन हो रहा है।

ग्राम पंचायत अल्हवा द्वारा चेतावनी के बावजूद अतिचारी तरजीह नहीं दे रहे। जिससे अजीज आकर ग्राम प्रधान अहद अहमद

सिद्दीकी उर्फ शहजादे ने जिलाधिकारी से शिकायत की। और ग्राम अल्हवा में निगरानी समिति के कार्यक्रम में तथा भूमि प्रबन्धक समिति की आवंटन प्रस्ताव कार्यवाही के दौरान उप जिलाधिकारी कोरांव को 14,जुलाई को ज्ञापन भी दिया है।

इसके बावजूद गांव के सरहग अनाधिकृत कब्जा नहीं हटा रहे है। इस सम्बन्ध में जिलाधिकारी प्रयागराज संजय कुमार खत्री ने उपजिलाधिकारी को कार्यवाही हेतु इंगित कर दिया और उपजिलाधिकारी ने तहसीलदार को और तहसीलदार ने राजस्व निरीक्षक बड़ोखर कोरांव को 15,जुलाई को आदेशों का अनुपालन करने का आदेश जारी किया है।

क्या बोले जिम्मेदार लोग...

इस सम्बन्ध में टीम गठित करके सार्वजनिक जमीनों को कब्जे में रखने वालों को चिन्हित कराकर नोटिस देंगे। यदि ग्राम सभा की जमीनें चक मार्गी आदि को खाली नहीं करेंगे तो निश्चय ही एंटी भूमाफिया प्राविधान के तहत केस दर्ज कराया जाएगा। और पात्र गरीबों को आवास व खेती के लिए जमीनें आवंटित की जाएंगी। और इसकी रिपोर्ट उपर के अधिकारी को प्रेषित करेंगें।

राम आसरे
राजस्व निरीक्षक बड़ोखर
कोरांव प्रयागराज

मेरा उद्देश्य है कि ग्राम सभा के जितने गरीब आदिवासी,व गांव के भूमिहीन है उन्हे आवंटन कर विकास व समाज की मुख्य धारा से जोड़ सकें। और जितनी सार्वजनिक जमीनें है अतिक्रमण कर्ताओं से मुक्त कराएं। कुछ लोग चकरोड पर निर्माण कार्य में मिटटी नहीं डालने दे रहे। क्योंकि काफी समय से मार्गी को जोत बो रखे है और लाभ लिए है। यदि ब्यवधन उत्पनन करेंगें तो लोक सम्पत्ति निवारण अधिनियम के तहत थाने में भूमि प्रबन्धक समिति अल्हवा प्राथमिकी दर्ज कराएगी।

अहद अहमद सिद्दीकी उर्फ शहजादे
ग्राम प्रधान अल्हवा कोरांव

करछना तहसील में संम्पूर्ण समाधान दिवस पर 62 शिकायतें आई

अखंड भारत संदेश

करछना। कई महीने बाद सरकार की गाइड लाइन के मुताबिक शनिवार को एकबार फिर से संपूर्ण समाधान दिवस शुरू किया गया इस मौके पर करछना तहसील में कुल 62 शिकायतें आई जिसमें राजस्व की 41 शिकायतें, पुलिस की 14, अन्य सात शिकायतें आई जिसमें मौके पर छः शिकायतों का निराकरण किया गया । लोगों को समाधान दिवस की जानकारी न होने के कारण फरियादियों की संख्या कम रही साथ ही सभागार मे मौजूद अधिकारियों ने शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए संबंधित विभाग के मातहतों से निस्तारण करने की बात कही। शिकायतों मे सबसे अधिक राजस्व और पुलिस की रही। समाधान दिवस की अध्यक्षता एडीएम गंगाराम ने की।इस मौके पर उपजिलाधिकारी करछना विनोद कुमार पांडेय,नायब तहसीलदार विनय कुमार समेत कई विभागीय अधिकारी मौजूद रहे।

बिकरू कांडः आरोपी खुशी दुबे की जमानत अर्जी खारिज, किशोर होने मात्र से जमानत का अधिकार नहीं : हाईकोर्ट

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कानपुर के चर्चित बिकरू कांड में कुख्यात विकास दुबे के करीबी अमर दुबे की पतनी खुशी दुबे की जमानत याचिका खारिज कर दी है। यह आदेश न्यायमूर्ति जेजे मुनीर ने दिया है। कोर्ट ने जनवरी माह में दाखिल जमानत याचिका पर लंबी सुनवाई के बाद गत एक जुलाई को फैसला सुरक्षित कर लिया था।खुशी दुबे की जमानत के समर्थन में उसके अधिवक्ता प्रभाशंकर मिश्र ने कहा कि उसे को इस अपराध में फंसाया गया है, क्योंकि घटना से कुछ दिन पहले ही उसकी अमर दुबे से शादी हुई थी। वह नाबालिग है और उसका या उसके मां-पिता, भाई-बहनों का कोई आपराधिक इतिहास नहीं है। वह न तो विकास दुबे की सहयोगी थी और न ही उसके गिरोह की सदस्य थी।वह गलत जगह पर, गलत समय पर एक निदीष से ज्यादा कुछ नहीं थी। पूरे एपिसोड

में उसका जरा सा भी रोल नहीं था। उसके बारे में जो कुछ भी कहा गया है, वह पुलिस द्वारा पूरी तरह से मनगढ़ंत है। इसके अलावा कानून के उल्लंघन में एक बच्ची होने के कारण 2015 के अधिनियम की धारा 12(1) के तहत जमानत की हकदार है। खुशी को उसके पिता हर तरह के नैतिक, शारीरिक व मनोवैज्ञानिक खतरे से बचा सकते हैं। उसके पिता यह सुनिश्चित कर सकते हैं कि जमानत पर रहते हुए वह किसी अपराधी के संपर्क में न आए।अपर महाधिवक्ता मनीष गोयल ने कहा कि खुशी विकास दुबे और उनके गिरोह द्वारा किए गए भीषण अपराध के लिए कोई मूक दर्शक नहीं थी। उन्होंने उस भीषण घटना में जीवित बचे लोगों के बयानों के संदर्भ में इस बात पर जोर दिया कि खुशी पूरे हमले में सक्रिय भागीदार थी। वह किसी भी पुलिसकर्मी को नहीं बख्शने के लिए पुरुषों की सहायता कर रही थी और उन्हें उकसा रही थी। उन्होंने कहा कि खुशी नाबालिग है और बोर्ड ने ऐसा घोषित किया है, फिर भी उसकी आयु 16 वर्ष से अधिक है। बोर्ड ने प्रारंभिक मूल्यांकन पर यह माना है कि याची के पास अपेक्षित मानसिक और शारीरिक क्षमता है। अपराध करने की क्षमता के साथ परिणामों को समझने की क्षमता भी है।

मनीष गोयल ने बाराबंकी में सरकारी प्रेक्षण केंद्र बालिका में रखी गई याची के आचरण के संबंध में वहां के सहायक अधीक्षक द्वारा बोर्ड को संबोधित रिपोर्ट का हवाला दिया जिसमें यह कहा गया है कि वह अन्य लड़कियों को बताती है कि उसके बहुत प्रभावशाली व्यक्तियों के साथ संपर्क है।

वह बार-बार अन्य लड़कियों को धमकाती है कि वह केंद्र से किसी को भी कभी भी अगवा करा सकती है। अपने फैसले में कोर्ट ने कहा कि जिस घटना में याची शामिल थी, वह सामान्य प्रकार की नहीं थी। उसमें आठ पुलिसकमिर्यों को मौत के घाट उतार दिया गया और छह अन्य घायल हो गए। यह एक जघन्य अपराध है जो समाज की अंतरात्मा को झकझोर देता है। याची ने प्रथमदृष्टया घटना में सक्रिय रूप से भाग लिया है। इन परिस्थितियों में याची को जमानत पर रिहा करने की अनुमति देना निश्चित रूप से न्याय के लक्ष्य को परास्त कर देगा।

किशोर होने मात्र से जमानत का अधिकार नहीं

कोर्ट ने कहा कि केवल किशोर होने की घोषणा मात्र से कानून का उल्लंघन करने वाले किशोर को अधिकार के रूप में जमानत पर रिहा करने का अधिकार नहीं है। अधिनियम का एक गंभीर उद्देश्य किशोर अपराधियों की बेहतरी हासिल करना है। कोर्ट ने कहा कि प्रावधान में उल्लिखित पहले दो आधारों पर ही विशेषाधिकार से वंचित किया जा सकता है कि रिहा होने पर किशोर को किसी ज्ञात अपराधी के साथ लाए जाने की संभावना है या रिहा किए जाने के परिणामस्वरूप किशोर के नैतिक, शारीरिक या मनोवैज्ञानिक खतरे के संपर्क में आने की संभावना है। यह न्यायालय निरीक्षण गृह के सहायक अधीक्षक द्वारा रिपोर्ट किए गए याची के आचरण की भी अनदेखी नहीं कर सकता। सहायक अधीक्षक द्वारा जो कुछ भी रिपोर्ट किया गया है, वह कठोर अपराधियों के साथ याची के निरंतर घनिष्ठ संबंध को दर्शाता है, क्योंकि उसने अपने संसाधनों के अन्य लड़कियों को किसी को भी ऑब्जर्वेशन होम से अपहरण करने की धमकी दी है।

केंद्रीय कारागार नैनी परिसर में फलदार व छायादार पौधरोपण किया गया

अखंड भारत संदेश

नैनी। लायंस क्लब इलाहाबाद (प्रयागराज) अरुणिमा के तत्वाधान में शनिवार को केंद्रीय कारागार नैनी में पौधरोपण कार्यक्रम के तहत फलदार व छायादार पौधे लगाए गए। जिसमें नीम, कचनार, आमला, बालम, खीरा, अमरुद, गुलमोहर, अमलतास, चितवन सहित आदी पौधों को लायंस क्लब अरुणिमा के सदस्यों द्वारा लगाया गया। कार्यक्रम के तहत केंद्रीय कारागार नैनी के वरिष्ठ अधीक्षक पीएन पांडेय ने अपने उद्बोधन में कहा कि पेड़ों और पौधों ने इस ग्रह को रहने लायक बनाया है। डॉ अर्पण धर दुबे परामर्शदाता केंद्रीय कारागार नैनी ने बताया कि जो लोग पेड़ों और प्रकृति के करीब रहते है, उन्हें कम रोग होते है। उनकी बीमारी भी जल्द ठीक हो जाती है। पेड़ पर्यावरण को शांत रखते है और गर्मी के असर को कम करने में मददगार होते है। जेलर सागर ने बताया कि पेड़ पौधों से कई प्रकार की दवाइयां बनती है, जो किसी भी मनुष्य और जानवरों के इलाज में इस्तेमाल किया जाता है। पर्यावरण चेयरमैन लायन इरा सेठी ने पर्यावरण संरक्षण पर जोर दिया और कहा कि पौधा लगाना ही काफी नहीं है पौधे को समुचित देखभाल भी की जानी चाहिए, ताकि वे वृक्ष बन सके। कार्यक्रम में लायंस क्लब अरुणिमा के अध्यक्ष प्रकाश अग्रवाल, रीजन चेयरपर्सन देवदत्त आर्य, जोन चेयरपर्सन डॉ एस के शुक्ला, सचिव डॉ कुद्रतुल्लाह, डॉ अर्पण धर दुबे आदि उपस्थित रहे।

खत्म हुई जीने की इच्छा, विवाहिता ने मायके में लगाई फांसी

सीओ ने घटनास्थल का मुआयना,पांच लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज

अखंड भारत संदेश

शंकरगढ़/प्रयागराज। महज साल भर पहले ब्याही गई एक विवाहिता ने ससुरालियों के दुर्व्यवहार से आहत होकर फांसी लगा ली। मायके में फांसी लगाए जाने की जानकारी परिजनों को काफी देर में हुई। घटना की जानकारी होने पर क्षेत्राधिकारी बारा अवधेश कुमार शुक्ल ने मौका मुआयना किया और पीडि़त परिवार के घर जाकर मुलाकात की और न्याय का आश्वासन दिया। बताया जाता है कि ससुरालियों से अनबन होने के बाद पिछले दो माह से वह मायके में रह रही थी। बेटी की मौत से पूरे घर में कोहराम मचा हुआ है। मृतका के तीन भाइयों की भी पहले ही मौत हो चुकी है।यह मामला यमुनापार के शंकरगढ़ थाना क्षेत्र का है।

नगर पंचायत शंकरगढ़ के सदर बाजार निवासी लड्डू (महाजन) केसरवानी ने अपनी लाडली बिटिया माया उर्फ कीर्ति केसरवानी (29) की शादी चित्रकूट जनपद के मऊ निवासी श्रीश्याम के साथ बीते 30 जून 2020 में की थी। श्रीश्याम अहमदाबाद में एक साफ्टवेयर कंपनी में काम करता था। मायके पक्ष का आरोप है कि शादी के बाद से ही ससुरालियों का व्यवहार ठीक नहीं रहा। माया के साथ हमेशा बुरा बर्ताव किया जाता था, इससे माया उर्फ कीर्ति चंद महीने में ही ससुरालियों से ऊब गई और उसने ससुराल में ही एक बार फांसी लगाने की कोशिश की थी। पर, उसे बचा लिया गया था।

मायके पक्ष के मुताबिक माया दो माह पहले मायके चली आई और

यहीं रहने लगी। बीती रात घर के सभी लोग खाना खाकर सो गए और माया ने अपने कमरे में साड़ी का फंदा बनाकर फांसी लगा ली। इसकी जानकारी शनिवार की सुबह मां को उस समय हुई, जब वह बेटी को जगाने के लिए उसके कमरे में पहुंची, जहां फांसी के फंदे के सहारे बेटी का शव लटकता देख उसकी चीख निकल गई।

जानकारी होते ही मौके पर तमाम लोगों की भीड़ जमा हो गई। मौके पर आई शंकरगढ़ पुलिस ने शव को नीचे उतारा। शरीर अकड़ गया था। समझा जा रहा है कि माया ने रात दस से बारह के बीच ही फांसी लगा ली थी। फिलहाल बेटी की मौत से पूरा परिवार सदमे में है। लड्डू महाजन के तीन बेटे व तीन बेटियां थीं, जिसमें तीनों बेटों की पहले ही मौत हो चुकी है और अब एक बेटी ने भी साथ छोड़ दिया। इससे लड्डू महाजन की भी तबियत खराब हो गई है। एसओ कुलदीप कुमार तिवारी ने बताया कि शव को चीरघर भेज दिया गया है। पीडि़त पक्ष की तहरीर के आधार पर पति, सास, ससुर, जेठ, जेठानी के खिलाफ दहेज उत्पीड़न का मामला दर्ज कर जांच की जा रही है।

डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य से एमलसी सुरेंद्र चौधरी ने भेंट कर पंचायत चुनाव में प्रचण्ड जीत की दी बधाई

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। प्रयागराज और कौशाम्बी जिला पंचायत अध्यक्ष के शपथ ग्रहण समारोह के पश्चात उत्तर प्रदेश सरकार के डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य के साथ सदस्य विधान परिषद उत्तर प्रदेश सुरेंद्र चौधरी सरकारी विमान से प्रयागराज से लखनऊ गए। विशेष हवाई यात्रा में सुरेंद्र चौधरी ने डिप्टी सीएम को पंचायत चुनाव में मिली ऐतिहासिक विजय के लिए बधाई देने के साथ साथ आगामी 2022 की विधानसभा चुनाव में पार्टी को जीत दिलाने की रणनीति के साथ जनपद प्रयागराज को और भी विकसित करने की मांग किये।विशेष भेंट वार्ता में आज जब पूरा प्रदेश विकास के पथ पर अग्रसर है वहीं आपके कुशल नेतृत्व में मिली 2017 की विधानसभा में ऐतिहासिक विजय और आपके द्वारा कार्यकर्ताओं का उसी तरह से सम्मान देना पार्टी को मजबूती प्रदान करता है।आज पूरे प्रदेश में सड़क बिजली पानी आवास और स्वास्थ्य शिक्षा के क्षेत्र में जो बदलाव आया है उसके पीछे कहीं न कही आपकी दूरदर्शिता ही है जो सभी को मुख्यधारा में लाने के साथ साथ सबको उचित सम्मान और सनेह प्यार देंते हुए हमारे जैसे छोटे कार्यकर्ता को विधान परिषद के लिए स्थान देकर ये साबित किया है कि काम करने वालों को पार्टी में तरजीह मिलती है।।उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि हम सदैव की तरह पार्टी संगठन के द्वारा मिले जिम्मेदारी को आप सभी कार्यकर्ताओं जनप्रतिनिधियों के सहयोग से पूरे प्रदेश में कार्यकर्ताओं को उर्जा देने का काम करेंगे।।आज

जब विपक्ष के पास कोई मुद्दा नही रह गया तो सरकार के उपलब्धियों को जनता के बीच मे जाकर जात पात की गलत धारणा लेकर बरगलाने की कोशिश की जा रही है जबकि जनता इनकी दूषित मानसिकता को समझ चुकी है और आने वाले 2022 के चुनाव में इनका खात्मा कर राष्ट्रवादी विचारधारा को अपना समर्थन देकर जीत दिलाने का कार्य करेगी।।सुरेंद्र चौधरी ने उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य जी से कहा कि भाजपा बुनियादी संसाधनों का समग्र विकास कर रही है प्रदेश में जहां सड़को एवम पुलों का जाल निरन्तर बढ़ता जा रहा है वही उत्तर प्रदेश में कोविड काल मे मिली चुनौती को सरकार ने गम्भीरता से लेते हुए नियंत्रण हेतु प्रभावी कदम उठाते हुए प्रदेश में बढ़ते कोरोना प्रकोप पर नियंत्रण पाया है और साथ ही साथ टीकाकरण अभियान को सफल बनाते हुए एक नया कीर्तिमान स्थापित किया है। विशेष भेंट में सुरेंद्र चौधरी ने अपने सभी सहयोगियों और समर्थकों के तरफ से उपमुख्यमंत्री जी को बधाई देते हुए कहा कि हमसब मिलकर मिशन 2022 के लक्ष्य अबकी बार 350 पार को पूरा करेंगे और पूरी निष्ठा से पार्टी को विधानसभा चुनाव में जीत दिलाने के लिए जुट जाएंगे।

संपूर्ण समाधान दिवस के उपलक्ष में मंडलायुक्त ने तहसील हंडिया का किया निरीक्षण

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। मंडलायुक्त संजय गोयल ने आज संपूर्ण समाधान दिवस के उपलक्ष में तहसील हंडिया का निरीक्षण किया। तहसील के अधिकारियों की उपस्थिति में उन्होंने जन सुनवाई के दौरान प्राप्त कई शिकायती पत्रों को स्वयं पढ़ा एवं जन समस्याओं के शीघ्र निस्तारण हेतु राजस्व टीम को उनका निस्तारण कर आख्या प्रस्तुत करने के निर्देश दिए।

एसीएमओ, ईओ हंडिया समेत 10 अन्य अनुपस्थित अधिकारियों का स्पष्टीकरण प्रस्तुत करने के निर्देश दिए

उन्होंने कहा कि जनशिकायतों का निस्तारण शासन की सवीच्च प्राथमिकता वाले बिंदुओं में से एक है, इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही या उदासीनता न बरती जाये।

मंडलायुक्त ने निरीक्षण के दौरान उप मुख्य चिकित्सा अधिकारी(एसीएमओ) एवं ईओ पंचायत, हंडिया समेत 10 अन्य अधिकारियों को संपूर्ण समाधान दिवस में अनुपस्थिति रहने पर नाराजगी जताई तथा स्पष्टीकरण प्राप्त करने के निर्देश दिए।

इस अवसर पर मंडलायुक्त ने विगत तहसील दिवसों में निस्तारित आख्याओ को भी देखा तथा निस्तारित आशाओं के संबंध में स्वयं वार्ता कर पुष्टि की। उन्होंने सभी को मास्क लगाने एवं अधिक भीड़ न इकट्ठा होने देने का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित करने को भी कहा। इस अवसर पर पुलिस महानिरीक्षक, श्री के पी सिंह, अपर जिलाधिकारी, प्रशासन, श्री विजय शंकर दुबे, उप प्रभागीय मजिस्ट्रेट, अनिल कुमार सिंह समेत अन्य अधिकारीगण मौजूद रहे।

अंखड भारत संदेश के लिए स्वामी श्री योगी सत्यम क्रियायोग आश्रम एवं अनुसंधान संस्थान झूंसी, प्रयागराज 211019 से प्रकाशित एवं रामा प्रिंटिग प्रेस 53/25/1ए बेली रोड नया कटरा प्रयागराज से मुद्रित।

मुद्रक/प्रकाशक

स्वामी श्री योगी सत्यम पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत समाचारों के चयन के लिए उत्तरदायी। इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों से संबंधित विवादों का न्याय क्षेत्र प्रयागराज होगा। आरएनआई नं.

UPHIN 2001/9025

थाना प्रभारी सरायममरेज भरत कुमार न दिखाते तत्परता तो चली जाती अपहृत डॉक्टर की जान

अखंड भारत संदेश

बहरिया। थाना के सिकंदरा चौकी अंतर्गत निवासी गोरापुर अरविंद उर्फ चुलबुल पुत्र जीतलाल उम्र लगभग 22 वर्ष अपने पड़ोस के नाबालिग लड़की को बहला-फुसलाकर गांव के बगल ही बाग में शनिवार की सुबह झाड़ियों में ले जाकर दुराचार कर रहा था।कि गांव के ही कुछ लोगों ने उसको देख लिया और यह सूचना किशोरी के परिजनों को दी।

मौके पर उसके परिजन भी पहुंच गए और अरविंद उर्फ चुलबुल को पकड़ने का प्रयास किया तो वह हाथ छुड़ाकर भाग निकला। जिसकी सूचना लड़की के मां-बाप बहरिया थाने पर लिखित रूप से दिया।जिसमें थाना अध्यक्ष बहरिया ने तहरीर के अनुसार मुकदमा पंजीकृत करके जांच पड़ताल शुरू कर दी।

प्रतापपुर।फूलपुर क्षेत्र के ग्राम गडौर निवासी डॉ मानवेन्द्र यादव जो कि सरायममरेज के अंतर्गत कटेहरी क्षेत्र में क्लिनिक चलाते हैं का 16/07/2021 को करीब सुबह 11 बजे उसकी क्लिनिक से उस समय अपहरण कर लिया गया था जब वह क्लिनिक में मरीज देखने के बाद अकेले बैठा था,अपहरण की जानकारी आसपास के लोगों ने जब डॉ के पिता को दी तो वो बदहवास से भागकर थाने पहुंचे,उस समय थाना सरायममरेज में पीस कमेटी की मीटिंग चल रही थी,अपहरण की घटना सुनकर थाना प्रभारी भरत कुमार ने मौके की नजाकत समझ कर तत्काल दल बल के साथ अपहृत को खोजने निकले,अपहृत के मोबाइल को सर्विलांस पर रखकर थाना प्रभारी निरन्तर आरोपियों की लोकेशन ट्रेक कर उस जगह पहुंचते जहां जहां उक्त की लोकेशन मिलती,पहले लोकेशन मछलीशहर और फिर पंवारा की मिली पुलिस बल ने लास्ट लोकेशन को ट्रैक कर आरोपियों को पंवारा के पास जंगल मे धर दबोचा और आरोपियों को उस ऐन मौके पर तब पकड़ा जब आरोपी अपहृत डॉ को जान से मारने जा रहे थे,लेकिन थाना प्रभारी की तत्परता के कारण अपहृत को आरोपियों के चंगुल से छुड़ा कर उसकी जान बचा ली।उक्त प्रकरण में आरोपियों पकड़कर सम्बंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर विधिसम्मत कार्यवाही की गई।इस संदर्भ में थाना प्रभारी से बात करने पर उन्होंने बताया कि हमारे पुलिस कप्तान सर्वश्रेष्ठ त्रिपाठी का साफ आदेश है कि अपराध के संदर्भ में जीरो टॉलरेंस की नीति का सख्ती से थाना स्तर पर पालन हो।उनके दिशा निर्देशन में सर्कल अधिकारी हण्डिया सन्तोष सिंह के मार्गदर्शन में माफ़ियायों और अपराधियों पर कानूनी शिकंजा कसा जा रहा है।हमारा पूर्ण प्रयास अपराध का स्तर शून्य करना है

विभागीय अधिकारियों ने नहीं सुनी तो, लगाई भाजपा नेता से गुहार, सौंपा ज्ञापन

अखंड भारत संदेश

नैनी। लोकपुर से खरकौनी की ओर जाने वाले संपर्क मार्ग, पूरा फतेह मोहम्मद एवं अम्बेडकर नगर क्षेत्र में पांच हजार से अधिक आबादी वाले क्षेत्र में सीवर लाइन बिछाने के मंदगति से चल रहे कार्य से जलजमाव की भीषण समस्या का सामना क्षेत्रवासियों को करना पड़ रहा है। साथ ही क्षेत्र में ध्वस्त पेयजलापूर्ति की वजह से लोगों को दो बूंद पानी के लिए तरसना पड़ रहा है। क्षेत्र के लोगों ने कई बार संबंधित विभागीय आला अफसरों से लेकर कर्मचारियों से गुहार लगाई, लेकिन उनकी गुहार को अनसुना कर दिया गया। नतीजा लोगों को दो बूंद पानी के साथ ही जलजमाव से होकर गुजरना पड़ रहा है। जब सरकार के द्वारा नियुक्त जिम्मेदार अधिकारियों से लेकर कर्मचारियों ने क्षेत्रवासियों की नहीं सुनी तो वह भारतीय जनता पार्टी के युवा नेता पंडित रामजी मिश्र के पास पहुंचे और समस्त कार्यों को पूर्ण रूप से कराने के लिए गुहार लगाने लगे। इतना ही नहीं क्षेत्रवासियों ने उन्हें कार्य को कराने के लिए बकायदा मांग पत्र भी सौंपा। जिसपर भारतीय जनता पार्टी के युवा नेता पंडित रामजी मिश्र ने आए हुए समस्त क्षेत्रवासियों को आश्वासन दिया कि महज कुछ दिनों के अंदर ही समस्त कार्यों को पूर्ण कराने पर आला अफसरों से लेकर संबंधित विभागीय मंत्री से भी मांग की जाएगी। यदि जल्द इस ओर कोई भी कार्रवाई नहीं की जाती है तो क्षेत्रवासियों के साथ ही वह सड़क पर उतरकर आंदोलन करने के लिए बाध्य हो जाएंगे। जिसकी पूर्ण जिम्मेदारी संबंधित विभागीय अधिकारियों से लेकर कर्मचारियों की होगी।

सौहार्दपूर्ण तरीके से मनाएं बकरा ईद का त्यौहार थाना प्रभारी निरीक्षक ः जय प्रकाश शर्मा

अखंड भारत संदेश

बहरिया। थाना परिसर में आज आगामी त्यौहार को देखते हुए थाना अध्यक्ष जय प्रकाश शर्मा की अध्यक्षता में एक पीस कमेटी की बैठक संपन्न हुई।जिसमें आगामी 21 जुलाई को होने वाले ईद उल अजहा (बकरा ईद) को लेकर बैठक की गई।जिसमें कोतवाल बहरिया ने कहा कि त्यौहारों को सौहार्द पूर्ण शांति पूर्वक ढंग से मनाया जाए अगर कहीं भी किसी भी प्रकार की अराजकता पाई जाती है।तो उसके ऊपर तुरंत कार्रवाई की जाएगी।यह भी कहा कि यहां पर उपस्थित सम्मानित व्यक्ति एवं प्रधान गणों से निवेदन है।कि यदि इस प्रकार की कहीं अराजकता फैलाई जा रही।हो तो उसकी सूचना हमारे फोन नंबर पर आप लोग तुरंत दें।और दोषियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाएगी इस मौके पर एसआई मनोज कुमार सिंह,नीरज कुशवाहा, पुरुषोत्तम लाल,शेषनाथ भारती के अलावा थाने के समस्त स्टाफ के साथ-साथ ग्राम सभा के नवनिर्वाचित प्रधान गण उपस्थित रहे।

किसी प्रकार अराजकता एवं भ्रम फैलाने वाले के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाएगी

दबंगों ने क्लीनिक पर किया तोड़फोड़ संगीन धाराओं में मुकदमा पंजीकृत

अखंड भारत संदेश

बहरिया। थाना अंतर्गत ग्राम सभा सरायगनी में संचालित श्रुति क्लीनिक पर मंगलवार की देर रात कुछ अराजक तत्व दवा लेने का बहाना करके क्लीनिक के डॉक्टर से अनावश्यक वाद विवाद करने लगे।जिसमें क्लीनिक के संचालक शिव कुमार पटेल पुत्र इंद्रजीत पटेल निवासी अतनपुर के द्वारा मना करने पर उनसे उलझ गए।और मारपीट करने लगे तथा उसकी क्लीनिक पर बने दवाखाना एवं मरीज को देखने के चेंबर में भी तोड़फोड़ किया।शोरगुल सुनकर मरीजों के परिजन भी इकट्ठा हो गए और किसी तरीके से शिवकुमार पटेल को सुनील कुमार बब्बू विनोद पुत्रगण काली दीन यादव निवासी मीरकपुर खजुहा के चंगुल से छुड़ाया।मौका पाकर शिवकुमार पटेल ने थाना बहरिया में जाकर इस घटना की लिखित सूचना दी।सूचना पाकर मौके पर थाना प्रभारी जय प्रकाश शर्मा मय हमराह पहुंचे और निरीक्षण करने के बाद आश्वासन दिया।कि दबंगों के खिलाफ उचित कार्रवाई की जाएगी।

चनैनी गांव में नव निर्वाचित प्रधान धीतेश तिवारी ने कराया विद्युतीय करण

40 वर्ष बाद चनैनी के सिंगरौर बस्ती में पहुची बिजली लोगों में खुशी

अखंड भारत संदेश

करछना। विकास खंड के ग्राम पंचायत चनैनी का मजरा सिंगरौर बस्ती में लोग चालीस साल से बिजली से उपेक्षित थें, इसके लिए गांव वासियों ने अनगिनत बार शिकायतें कर मांग की थी, लेकिन उक्त गांव के सिंगरौर बस्ती में रहने वाले लोग रोशनी की एक झलक पाने को मजबूर थे।

उक्त गांव की समस्या को ग्रामीणो ने नव निर्वाचित युवा प्रधान धीतेश तिवारी से बताया, जिसको गंभीरता से लेते हुए युवा प्रधान धीतेश तिवारी ने एक हफ्ते के अंदर समबन्धित विभाग के अधिकारियों के सहयोग से उक्त बस्ती के लिए नई विद्युत लाइन एवं एक नया 63 केवीए ट्रांसफार्मर लगवा कर उक्त बस्ती में रौशनी की किरण दौडा कर लोगों के घरों में उजाला कर दिय।बस्ती में बिजली पाकर लोग खुशी जताते हुए युवा प्रधान धीतेश तिवारी का आभार जताया ।इस मौके पर गांव के सम्मानित सदस्य निर्मल सिंह प्रबन्धक एस एल बी इंटर कालेज चनैनी ने नारियल तोड़ कर पूजन के साथ शुभारम्भ किया । और गांव के मेवा लाल सिंह, ललुन सिंह, दीपक सिंह, पप्पी सिंह, अखिलेश सिंह, फूल चंद्र व पिंकू सिंह सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित होकर खुशी जताते हुए युवा प्रधान को बधाई देते हुए खुशी जताई है ।

विवाद पर दबंगों ने लाठी से हमला कर अधेड़ को कर दिया लहूलुहान

अखंड भारत संदेश

घूरपुर। घूरपुर क्षेत्र के सपहा गांव में दबंगों ने मामूली विवाद पर अधेड़ पर लाठियों से हमला कर लहूलुहान कर दिया। पीड़ित खून से तरबतर थाने पहुंच दो को नामजद करते हुए शिकायती पत्र देकर कार्रवाई की मांग की। पुलिस ने घायल को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया।

सपहा गांव निवासी गायत्री प्रकाश पटेल (45) शनिवार की दोपहर गांव के आरोपित भोला पटेल व छोटकु पटेल से किसी बात को लेकर कहासुनी हो गई। इसी बीच गाली गालौच दोनो पक्षों के बीच शुरु हो गई तो दोनो आरोपितों ने लाठी से गायत्री प्रकाश के उपर हमला कर दिए। जिससे उसका सिर फट गया और लहूलुहान हो गया। मौक़े से किसी तरह खून से सना हुआ थाने पहुंच दोनो के खिलाफ़ शिकायती पत्र देकर कार्रवाई की मांग की। पुलिस ने घायल को इलाज के लिए जसरा सीएचसी में भर्ती कराया।

तीन शातिर अपराधी गिरफ्तार, 15 मोबाइल बरामद

अखंड भारत संदेश

नैनी। औद्योगिक क्षेत्र के समोगरा गांव के समीप पुलिस टीम ने तीन शातिर अपराधियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से लूटे गए 15 मोबाइल को बरामद करने में भारी सफलता प्राप्त की है। पुलिस ने पकड़े गए आरोपियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करते हुए शनिवार को चालान कर दिए।जानकारी के मुताबिक औद्योगिक क्षेत्र इंस्पेक्टर अनुपम शर्मा को जरिए मुखबिर से सूचना मिली कि कुछ शातिर किस्म के अपराधी थाना क्षेत्र के समोगरा गांव के समीप स्थित एक मंदिर के आसपास मौजूद हैं। सटीक सूचना मिलते ही इंस्पेक्टर अनुपम शर्मा ने एसआई मनोज कुमार व रवि कटियार समेत दलबल को उक्त स्थान पर भेजा। गठित टीम ने घेराबंदी करते हुए तीनों को गिरफ्तार कर औद्योगिक क्षेत्र थाने उठा लाए। पुलिस के मुताबिक पकड़े गए आरोपियों में संजय भारतीया उर्फ संजू पुत्र स्वर्गीय राधेश्याम भारतीया निवासी घोघापुर, अजय कुमार पाल पुत्र राम प्रसाद पाल ग्राम भिचकुरी थाना कौंधियारा व अजय कुमार भारतीया पुत्र शिव शंकर भारतीया है और इनके कब्जे से औद्योगिक क्षेत्र व नैनी कोतवाली क्षेत्र सहित कई स्थानों से लूटे गए 15 मोबाइल बरामद किए गए है। साथ ही इनके कब्जे से एक बाइक व ?570 रुपए नकदी भी बरामद हुए है। पुलिस के मुताबिक पूछताछ के दौरान पकड़े गए आरोपियों ने कुछ शातिर अपराधियों के नाम बताए है। जिन्हें पकड़ने के लिए ताबड़तोड़ दबिश जारी है।

मेजा तहसील में संपूर्ण समाधान दिवस में 93 शिकायते मिली

अखंड भारत संदेश

सिरसा/मेजा। प्रयागराज मेजा तहसील में लंबे अरसे के बाद शनिवार को संपूर्ण समाधान दिवस अपर जिलाधिकारी ;आपूर्तिद्ध जितेंद्र कुमार कुशवाहा की अध्यक्षता में आयोजित हुईए जिसमें विभिनन्-विभागों से कुल 93 शिकायतें मिली।

शिकायतों में राजस्व विभाग से 43ए पुलिस से 18ए विकास से 18ए समाज कल्याण से एक और अन्य से 12 शामिल है। अपर जिलाधिकारी ने सभी शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए संबंधित अधिकारियों व कर्मचारियों को 5 दिन में निस्तारण करने के निर्देश दिए है। गौरतलब है कि योगी सरकार ने लंबे अरसे के बाद संपूर्ण समाधान दिवस आयोजित करने के निर्देश दिए। जिसमें माह के प्रथम व तृतीय मंगलवार को आयोजित होने वाली संपूर्ण समाधान दिवस को बदलकर माह के प्रथम व तृतीय शनिवार को आयोजित करने के निर्देश दिए। इसके अलावा उन्होंने शिकायतों से संबंधित अधिकारियों को 5 दिन में निस्तारण करने के भी आदेश दिए है।

प्रत्येक संपूर्ण समाधान दिवस में स्थानीय स्तर पर एसडीएमए तहसीलदार व अन्य अधिकारियों के अलावा जिले से अपर जिला अधिकारी प्रभारी के रूप में नियुक्त किए गए है ।इसी कड़ी में लंबे अरसे के बाद मेजा तहसील में शनिवार को संपूर्ण समाधान दिवस आयोजित किया गया। जानकारी के अभाव में फरियादियों की संख्या बहुत ही कम रही। तहसील में आने वाले लोगों को इस बात की जानकारी होने पर जहां अपनी शिकायतों को अधिवक्ता के माध्यम से एसडीएम तहसीलदार व अन्य अधिकारियों को देना चाहते थेए वही मौके पर पहुंचकर संपूर्ण समाधान दिवस में अपनी फरियाद लगाई। फिलहाल संपूर्ण समाधान दिवस पूरे कोरोना नियम के तहत आयोजित किया गया।इस मौके पर उप जिलाधिकारी मेजा रेनू सिंहए तहसीलदार मेजा डॉक्टर विशाल शर्म, रजिस्ट्रार कानूनगो गणेश प्रसाद त्रिपाठीए सहायक विकास अधिकारी ;समाज कल्याणद्ध कमलेश मिश्रा सहित विभिनन्-विभागों के अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे।

संपूर्ण समाधान दिवसः तहसील बारा में सुनी गई फरियाद, गुणवत्तापरक निस्तारण का आदेश

सीडीओ शीपू गिरि और उपजिलाधिकारी सौम्या गुरुरानी ने सुनीं शिकायतें

अखंड भारत संदेश

शंकरगढ़/प्रयागराज। शनिवार को तहसील बारा में संपूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया। इस अवसर पर सीडीओ शीपू गिरि ने कहा कि फरियादियों की सभी समस्याओं को गंभीरता से लिया जाए और उनका त्वरित, गुणवत्तापरक निस्तारण किया जाए। उन्होंने कहा कि इस तहसील के अंतर्गत ज्यादातर समस्याएं जमीनी विवाद की देखने को मिलीं हैं। सीडीओ ने इसके लिए संबंधित अधिकारियों को मौका-मुआयना के लिए भी निर्देशित किया है।

सीडीओ ने यह भी कहा कि जो तहसील दिवस मंगलवार को लगते थे, उस तहसील दिवस को उत्तर प्रदेश शासन ने अब शनिवार को कर दिया है। कोविड-19 के बाद शनिवार को तहसील दिवस का पहला कार्यक्रम था, जिसमे कुल 66 फरियादियों ने अपनी समस्याओं को मुख्य विकास अधिकारी के समक्ष रखा। मुख्य विकास अधिकारी के द्वारा उप जिलाधिकारी को निर्देशित

किया गया कि सभी की समस्याओं का जल्द ही निस्तारण करें।

पुलिस अधीक्षक यमुनापार सौरभ दीक्षित भी संपूर्ण समाधान दिवस में मौजूद रहे। उन्होंने सभी थानाध्यक्षों को निर्देशित किया गया कि बारा में आईएएस रैंक की उपजिलाधिकारी सौम्या गुरुरानी व क्षेत्राधिकारी बारा अवधेश कुमार शुक्ला के साथ मिलकर सभी प्रकार की समस्याओं का जल्द ही निस्तारण करें। समाधान दिवस में मुख्य रूप से तहसीलदार राम प्रसाद तिवारी, पूर्ति निरीक्षक बारा विनय यादव, बीडीओ जसरा देवेंद्र ओझा, सीएचसी प्रभारी डॉ. तरुण पाठक, एडीओ कोआपरेटिव राकेश सिंह, थाना प्रभारी बारा टीकाराम वर्मा, थानाध्यक्ष शंकरगढ़ कुलदीप तिवारी, थानाध्यक्ष लालापुर एवं एसोजी प्रभारी गंगापार वृंदावन राय, चौकी इंचार्ज जारी निखिलेश तिवारी, कानूनगों प्राची केसरवानी, उमाशंकर श्रीवास्तव, लेखपाल राम शिरोमणि शुक्ला, रामचंद्र कुशवाहा संतोष मिश्रा, मिथिलेश कुमार मिश्रा, रामेंद्र पांडेय, ददुल मिश्रा, रीता वर्मा आदि तमाम लेखपाल एवं संबंधित कर्मचारी उपस्थित रहे।

नव निर्वाचित प्रधानों को पढ़ाया कर्तव्यों का पाठ

अखंड भारत संदेश

घूरपुर। राष्ट्रीय ग्राम स्वराज अभियान के तहत विकासखंड जसरा के न्याय पंचायत परसरा के कार्यालय में शुक्रवार के दिन क्षेत्र के दो दर्जन नव निर्वाचित ग्राम प्रधानों को उनके कर्तव्यों का पाठ पढ़ाया गया । ग्राम विकास अधिकारी अमित कुमार शुक्ल ने मौजूद ग्राम प्रधानों को ग्राम सभा के गठन,स्वास्थ्य समिति के गठन ,पंचायत की खुली बैठक के संचालन के बारीकी से गुर बताये । इस मौके पर ग्रामविकास अधिकारी ने सरकार की ओर से आयोजित व संचालित योजनाओं को जमीन पर पिरोने की भी जानकारी दी । इस मौके पर ग्राम प्रधान परसरा माधुरी मन ,ग्राम प्रधान बारा संतोष जायसवाल, छतहरा प्रधान विकास सिंह ,जगदीशपुर प्रधान विराट तिवारी ,कंजासा प्रधान दिनेश निषाद सहित दर्जनों प्रधान मौजूद रहे ।

अपहृत किशोरी बरामद अपहर्ता सहित सात पर केस दर्ज

दो दिन पूर्व शौच को गई किशोरी का कर लिए थे अपहरण

अखंड भारत संदेश

घूरपुर। इलाके के एक गांव में दो दिन पूर्व शौच को गई अपहृत किशोरी को पुलिस ने शनिवार के दिन बरामद कर लिया। और अपहर्ता सहित सात के खिलाफ़ केस दर्ज कर किशोरी को स्वास्थ्य परीक्षण के लिए भेजा है।

इलाके के एक गांव की 15 वर्षीय किशोरी गुरूवार की सायंकाल घर से कुछ दूर खेत की ओर शौच को गई तो गांव का ही एक युवक किशोरी को अपहरण कर लिया। इधर घंटो बाद भी किशोरी वापस नहीं आई तो परिजन आशंकित हो खोजबीन करने लगे। इस बीच देर रात अपहर्ता स्वयं किशोरी के घर पहुंच स्वयं किशोरी की अपहरण करने की बात कह पुलिस से ना बताने की धमकी दी थी।

उसके बाद अपहर्ता के परिजन भी किशोरी के परिजनो को धमकी दी। सूचना पर पुलिस पहुंच अपहर्ता को गिरफ़्तार कर पुछताछ करने लगी। तो अपहर्ता पुलिस को गुमराह कर रास्ते में अन्य युवकों द्वारा अगवा कर लिए जाने की बात करने लगा था। लेकिन अपहर्ता को पुलिस जब क़रा किया तो सारी सच्चाई उगल दी और उसके निशानदेही स्थान पर पुलिस दविश देकर किशोरी को बरामद कर लिया। अपहर्ता साजन निषाद, सागर निषाद, समुंदर निषाद, सीमा निषाद, विशाल, अमरावती पतने चिरौंजी, अमरावती पतने उमाकांत के खिलाफ़ मामले में केस दर्ज कर किशोरी को स्वास्थ्य परीक्षण के लिए भेजा।

अघोषित बिजली कटौती व लो वोल्टेज से ग्रामीणों का हाल बेहाल

अखंड भारत संदेश

घूरपुर। भीषण गर्मी और उमस में अघोषित विद्युत कटौती से लोगों का जीना मुहाल हो गया हैं। उसमें भी लो-वोल्टेज के साथ बार-बार ट्रिपिग से लोगों की नीद उड़ी जा रही है। परेशान जनता किसी भी दिन उग्र आंदोलन छेड़ सकती है। आम मौसम में तो आपूर्ति सही रहती है, लेकिन जैसे ही गर्मी शुरू होती है। खासतौर से ग्रामीण इलाकों में बिजली व्यवस्था लड़खड़ा जाती है। इन दिनों भीषण गर्मी पड़ रही है। ऐसे में बिजली व्यवस्था भी बेपटरी हो गई। तय शेड्यूल के अनुसार घूरपुर क्षेत्र में लोगों को बिजली नहीं मिल रही है। उस पर बार-बार ट्रिपिग के साथ लो-वोल्टेज की समस्या ने लोगों की जान ही निकाल कर रख दी है। लोग इधर-उधर बैठकर दिन तो काट लेते हैं, लेकिन गर्मी की वजह से रात नहीं कटती। सबसे ज्यादा परेशानी महिलाओं एवं बच्चों को उठानी पड़ रही है। कूलर पंखे भी बिजली के अभाव में शो पीस बने रहते हैं। क्षेत्र का कोई भी स्थानीय प्रशासनिक अधिकारी से लेकर विद्युत् विभाग का अधिकारी ग्रामीण इलाके में निवास नही करता जिससे इनसे ग्रामीण इलाकों की विद्युत् सप्लाई से कोई सरोकार नहीं रहता। इसी तरह जनप्रतिनिधियो का भी हाल है।ग्रामीण इलाके में मुख्यमंत्री का आदेश इन विद्युत् विभाग के अधिकारियों के लिए कोई मायने नहीं रखता।परेशान ग्रामीण लोगों ने प्रशासन से तय शेड्यूल के अनुसार बिजली आपूर्ति कराने की मांग की है।

विचार

सम्पादकीय

खत्म हो राजद्रोह कानून

आंकड़े बताते हैं कि 2016 से 2019 के बीच राजद्रोह कानून के तहत चलाए जाने वाले मुकदमों की संख्या में 160 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है। यही नहीं इस दौरान दोषी पाए जाने वाले मामलों का अनुपात भी 33.3 फीसदी से घटकर 3.3 फीसदी पर पहुंच गया। यानी इन मुकदमों में सजा बहुत कम लोगों को हो रही है। सुप्रीम कोर्ट ने संदेश दिया है कि राजद्रोह से जुड़े औपनिवेशिक दौर के कानून का आज कोई औचित्य नहीं है। मुख्य न्यायाधीश एनवी रमना की अगुआई वाली बेंच ने कहा कि इस सरकार ने औपनिवेशिक दौर के बहुत से कानूनों को खत्म किया है, लेकिन पता नहीं राजद्रोह कानून पर इसकी नजर क्यों नहीं पड़ रही है। इस सवाल में सचमुच दम है कि आखिर अंग्रेजों द्वारा लाया गया यह कानून, जिसका इस्तेमाल महात्मा गांधी और लोकमान्य तिलक जैसे महापुरुषों की आवाज दबाने के लिए किया गया, अब तक क्यों बचाए रखा गया है। महात्मा गांधी पर 1922 में राष्ट्रद्रोह का मुकदमा दर्ज हुआ, तब उन्होंने कहा था, 'सेक्शन 124ए के तहत मुझ पर केस दर्ज हुआ है। इंडियन पीनल कोड की जिन राजनीतिक धाराओं का इस्तेमाल नागरिकों की आजादी को दबाने के लिए किया जाता है, उनमें इस धारा को शायद राजकुमार जैसी पदवी मिली हुई है।' 1962 में केदार नाथ बनाम बिहार सरकार में शीर्ष अदालत ने राष्ट्रद्रोह कानून को लेकर बड़ी बात कही थी। उसने स्पष्ट किया था कि सरकार विरोधी बयान के बाद अगर बड़े पैमाने पर कानून-व्यवस्था बिगाड़ने की कोशिश नहीं होती है तो इस धारा के इस्तेमाल से बचा जाना चाहिए। सुप्रीम कोर्ट ने बाद में इसकी नजीर भी पेश की। खालिस्तान समर्थक बलवंत सिंह ने भारत से अलग होने के लिए सिखों से हथियार उठाने की अपील की थी, लेकिन उसके बयान के कारण हिंसा नहीं हुई। इसलिए अदालत ने उसे बरी कर दिया। शीर्ष अदालत की इन नजीरों से भी इस कानून के दुरुपयोग में कमी नहीं आई है।

आंकड़े बताते हैं कि 2016 से 2019 के बीच राजद्रोह कानून के तहत चलाए जाने वाले मुकदमों की संख्या में 160 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है। यही नहीं इस दौरान दोषी पाए जाने वाले मामलों का अनुपात भी 33.3 फीसदी से घटकर 3.3 फीसदी पर पहुंच गया। यानी इन मुकदमों में सजा बहुत कम लोगों को हो रही है। इसके अलावा कुछ और कानूनों का भी दुरुपयोग हो रहा है। नैशनल सिक्यॉरिटी एक्ट यानी एनएसए और अनलॉफुल एक्टिविटीज (प्रिवेंशन) एक्ट यानी यूएपीए जैसे कानूनों पर भी सवाल उठे हैं। इनके तहत गिरफ्तार किए गए कई लोग वर्षों सुनवाई का इंतजार करते रह जाते हैं। कानून की कड़ी धाराएं जमानत मिलना मुश्किल बना देती हैं। लिहाजा आरोपों की सचाई सामने आने से पहले ही उन्हें लंबी अवधि तक तरह-तरह के कष्ट झेलने पड़ते हैं। ऐसे मामलों में बरसों बाद अभियुक्त के बाइज्जत बरी हो जाने के बावजूद यह सवाल नहीं पूछा जाता कि आखिर सबूत न होने पर भी ऐसी धाराएं क्यों लगा दी गईं? आतंकवाद जैसी समस्याओं के मद्देनजर इन कड़े कानूनों की जरूरत भी है, लेकिन इनका दुरुपयोग रोकना भी उतना ही जरूरी है।

क्या यह भारत का बेस्ट ओलिंपिक होगा?

मनोज चतुर्वेदी

कोरोना महामारी की वजह से बने अनिश्चितता के माहौल में तोक्यो ओलिंपिक शुरू होने जा रहा है। आयोजकों ने पहले तय किया था कि प्रत्येक स्पर्धा के दौरान स्टेडियम की क्षमता का 50 प्रतिशत या 10000 में से जो भी संख्या कम होगी, उतने ही दर्शकों को स्टेडियम में प्रवेश दिया जाएगा। लेकिन हालात को देखते हुए अब फैसला हुआ है कि स्टेडियम में दर्शक होंगे ही नहीं। खिलाड़ियों को न केवल बिना दर्शकों के बेहतर प्रदर्शन करने के लिए खुद को प्रेरित करना होगा बल्कि कोरोना से बचे रहने के अतिरिक्त प्रयास भी करने होंगे। नए नियमों के मुताबिक फाइनल में पहुंचने के बाद कोरोना से संक्रमित होने पर पदक खोने का खतरा रहेगा। इसलिए खिलाड़ियों पर इस बार इसका अतिरिक्त दवाब होगा। दुनिया के अन्य देशों की तरह भारतीय टीम भी 2016 के रियो ओलिंपिक से बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद के साथ जा रही है। जहां तक ओलिंपिक में भारतीय प्रदर्शन की बात है तो वह चमकदार तो कतई नहीं है। इतनी बड़ी आबादी वाले देश ने 121 सालों के ओलिंपिक इतिहास में कुल जमा 28 पदक जीते हैं, जिनमें नौ स्वर्ण पदक शामिल हैं। इनमें से हॉकी में जीते आठ स्वर्ण पदक को निकाल दें तो बाकी खेलों में सिर्फ एक स्वर्ण पदक हमारे नाम है, जिसे निशानेबाज अभिनव बिंद्रा ने 2008 के पेइचिंग ओलिंपिक में जीता था। दूसरी तरफ अमेरिकी तैराक माइकल फेल्प्स चार ओलिंपिक खेलों में भाग लेकर 23 स्वर्ण सहित 28 पदक जीत चुके हैं। इससे भारत की स्थिति को अच्छे से समझा जा सकता है।

हॉकी में राष्ट्रीय प्रदर्शन में गिरावट आने के बाद से कई ओलिंपिक खेलों में हमारा दल खाली हाथ लौटा है। 1996 के अटलांटा ओलिंपिक में लिएंडर पेस के टेनिस सिंगल्स में कांस्य पदक जीतने के बाद से इतना जरूर हुआ कि हम हर ओलिंपिक से पदक के साथ लौटे। 2012 के लंदन ओलिंपिक में पहली बार भारतीय दल ने छह पदक जीते तो लगा कि अब हम सही राह पर बढ़ने लगे हैं। लेकिन चार साल बाद रियो ओलिंपिक में हम फिर दो पदकों पर आ गए। अब पांच साल बाद हो रहे तोक्यो ओलिंपिक में जरूर दहाई संख्या में पदक जीतने की उम्मीद की जा रही है, लेकिन जरूरत इन उम्मीदों को पदक में बदलने की है। भारत 18 खेलों के 119 खिलाड़ियों को तोक्यो भेज रहा है, लेकिन पदकों के लिहाज से देखें तो बैडमिंटन, कुश्ती, निशानेबाजी, हॉकी और मुक्केबाजी ही ऐसे खेल हैं, जिनमें उम्मीद की जा सकती है। यह सही है कि कोरोना की वजह से खिलाड़ी इस बार अच्छी तरह तैयारी नहीं कर पाए हैं, पर यह स्थिति दुनिया के ज्यादातर देशों के खिलाड़ियों की है। इस माहौल में कितने नए विश्व और ओलिंपिक रेकॉर्ड बनते हैं, यह देखने वाली बात होगी। महामारी की वजह से ओलिंपिक क्वालिफाइंग प्रतियोगिताओं का

आयोजन नहीं किया जा सका, जिसके कारण कई खिलाड़ियों का तोक्यो जाने का सपना टूट गया। ऐसे खिलाड़ियों में लंदन ओलिंपिक की कांस्य पदक विजेता सायना नेहवाल और किदाम्बी श्रीकांत भी शामिल हैं।भारतीय पदक उम्मीदों की बात करें तो जेहन में पहला नाम देश की स्टार शटलर पीवी सिंधु का आता है। वह रियो ओलिंपिक की रजत पदक विजेता हैं। कड़े संघर्ष में केरोलिना मारिन से स्वर्ण पदक का मुकाबला वह हार गई थीं। लेकिन इस बार वह बेहतर तैयारियों के साथ जा रही हैं। सिंधु ने इस साल ऑल इंग्लैंड बैडमिंटन और स्विस ओपन में भाग लिया है। उन्होंने पिछले तीन चार महीनों में दक्षिण कोरियाई कोच पार्क तेई सेंग की देखरेख में बढ़िया तैयारी की है। वह हर दिन ट्रेनिंग में खिलाड़ी बदलकर अभ्यास करती रही हैं, ताकि ओलिंपिक में विभिन्न स्टाइल वाली खिलाड़ियों के खिलाफ खेलने में दिक्कत ना आए।

मुक्केबाजी में 2008 में विजेंदर ने कांस्य पदक जीतकर युवाओं को इस तरफ आकर्षित किया था। इस बार अमित पंघाल और एमसी मैरिकॉम को पदक का मजबूत दावेदार माना जा रहा है। मैरिकॉम 2012 के लंदन ओलिंपिक में कांस्य पदक जीत चुकी हैं। यह उनका आखिरी ओलिंपिक होगा। इसलिए वह इसे यादगार बनाने में कोई कसर छोड़ने वाली नहीं हैं। अमित विश्व चैंपियनशिप के पदक विजेता हैं और वह फ्लाइवेट वर्ग में विश्व के नंबर एक मुक्केबाज के तौर पर ओलिंपिक रिंग में उतरने जा रहे हैं। हमारे बाकी मुक्केबाज भी कम नहीं हैं, लेकिन वे अपनी चुनौती को कहां तक ले जा पाते हैं, यह देखने वाली बात होगी।

निशानेबाजी में भी हमारी स्थिति अच्छी है। माना जाता है कि हमारे निशानेबाज विश्वस्तरीय हैं, जिसे वह विश्व चैंपियनशिपों में धमाकों से साबित भी करते रहते हैं। भारत के 15 निशानेबाजों ने ओलिंपिक के लिए क्वालिफाई किया है। यह उनके दबदबे को दर्शाता है। इस बार आयोजित होने वाले मिश्रित वर्ग में एयर पिस्टल में मनु भाकर और सौरभ चौधरी, यशस्विनी सिंह देसवाल और अभिषेक वर्मा की जोड़ियां और मिश्रित टीम राइफल में देवांश सिंह पंवार और इलावेनिल की जोड़ी पदक ला सकती है। भारत को व्यक्तिगत वर्ग में भी पदक मिलने की अच्छी संभावनाएं हैं।भारत के लिए एक अच्छी बात यह है कि लंबे समय बाद हॉकी टीम को पदक का मजबूत दावेदार माना जा रहा है। इसकी वजह पिछले दो सालों में तमाम दिग्गज टीमों को फतह करना और विश्व की चौथी रैंकिंग की टीम के तौर पर भाग लेना है। इसके अलावा विनेश फोगाट और बजरंग पूनिया की अगुआई वाला कुश्ती दल, तीरंदाज दीपिका कुमारी और जेवेलिन थ्रोअर नीरज चोपड़ा को भी भाग्य का साथ मिल जाए तो वे पोडियम पर चढ़ते दिख सकते हैं। भारतीय खिलाड़ियों की तैयारियों को देखकर यह जरूर कहा जा सकता है कि इस बार हम अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करके लौटें तो अचरज नहीं होगा।

मुस्लिम यदि अपना अतीत खोजेंगे तो उन्हें मोहन भागवत के बयान में सत्यता ही दिखेगी

सुरेश हिंदुस्तानी

यह बात सही है कि वर्तमान में पाकिस्तान के नाम से पहचाने वाला देश पूर्व में भारत का ही हिस्सा रहा था। इसलिए उसका इतिहास भारत के बिना अधूरा है और इसी कारण भारत के मुसलमानों का इतिहास हिन्दू समाज या भारतीय समाज से अलग हो ही नहीं सकता। भारत में प्रामाणिक बयानों का अपने हिसाब से अर्थ निकालना एक परिपाटी-सी बन गई है। विसंगति यह है कि जो प्रचार किया जाता है, उसका मूल बयान से कोई सरोकार ही नहीं होता। एक नई बात गढ़ दी जाती है। इसी को भ्रम फैलाने वाली राजनीति कहा जाता है। अभी हाल ही में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत ने कहा कि भारत के हिन्दू और मुसलमानों का डीएनए एक है। यह प्रामाणिक रूप से धरातलीय सच है। भारत के मुसलमान अगर अपने परिवार का अतीत खोजेंगे तो उन्हें भागवत जी के बयान में सत्यता दिखाई देगी। मीडिया तंत्र इस बात पर मंथन करे कि जब भारत में मुगलों का आक्रमण नहीं हुआ था, उस समय भारत में कोई मुसलमान था ही नहीं। अतः यह स्वाभाविक है कि आज हमारे देश में जो मुसलमान हैं, उनके पूर्वज हिन्दू ही थे। फारुक अब्दुल्ला कश्मीरी ब्राह्मण परिवार के वंशज हैं। इसी प्रकार अन्य मुसलमानों की विरासत हिन्दू अवधारणा वाली ही है। जहां तक हिन्दू अवधारणा का सवाल है तो यही कहना समुचित होगा कि हिन्दू दर्शन किसी के साथ कोई भेदभाव नहीं करता। इसी कारण कई मुसलमान घर वापसी कर रहे हैं।

यह बात सही है कि वर्तमान में पाकिस्तान के नाम से पहचाने वाला देश पूर्व में भारत का ही हिस्सा रहा था। इसलिए उसका इतिहास भारत के बिना अधूरा है और इसी कारण भारत के मुसलमानों का इतिहास हिन्दू समाज या भारतीय समाज से अलग हो ही नहीं सकता। सच्चाई को स्वीकार करने का साहस होना चाहिए। सरसंघचालक मोहन भागवत के बयान का कई बुद्धिजीवी मुसलमानों ने समर्थन भी किया है, लेकिन तुष्टिकरण की राजनीति के चलते मुसलमान मुख्य धारा से कट रहा है। उसे हिन्दू के नाम से डराया जा रहा है। जबकि वास्तविकता यही है कि मुसलमानों के त्यौहारों में हिन्दू समाज भी सहयोग करता रहा है। इसके विपरीत तुष्टिकरण की राजनीति के बहकावे में आकर मुसलमान भारत के मूल त्यौहारों से अलग होता जा रहा है। सवाल यह है कि इस प्रकार की राजनीति देश की एकता के लिए बड़ा खतरा है। मंथन इस बात का भी करना होगा कि दुनियाभर में जितने भी मुसलमान निवास करते हैं, उनमें सबसे ज्यादा सुरक्षित भारत में ही हैं। आज कुछ मुसलमान संदेह की दृष्टि से देखे जा रहे हैं, उसके पीछे भी सबसे बड़ा कारण स्वयं मुसलमान ही हैं, जो मुख्य धारा में आना भी चाहते हैं, लेकिन राजनीति ऐसा नहीं करने दे रही। उन्हें अपने वोटों की चिंता है। भारत को स्वतंत्रता मिलने से पूर्व भारतीय समाज को तोड़ने का जो कुचक्र अंग्रेजों ने रचा था, भारत के राजनेताओं ने उसी नीति को आत्मसात करते हुए ऐसी राजनीति की कि आज समाज छिन्न-भिन्न हो गया। अब राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ इस छिन्न-भिन्न समाज को एक करने का प्रयास कर रहा है तो इन राजनेताओं के पेट में दर्द उठना स्वाभाविक है। जहां तक वर्तमान केन्द्र सरकार की बात है तो उसने मुस्लिम समाज की महिलाओं के दर्द को कम करने का साहस दिखाया है। तीन तलाक का डर दिखाकर मुस्लिम महिलाओं के आत्म सम्मान को ठेस पहुंचाई जाती रही थी, अब उससे मुक्ति मिल गई है। यह कदम वास्तव में मुस्लिम समाज को आगे लाना वाला ही है। लेकिन कई लोगों को इस कदम में भी मुस्लिम विरोध दिखाई दिया, जो पूरी तरह से गलत है। यह देश का दुर्भाग्य है कि इने-गिने लोग ऐसे हैं, जो अपने राजनीतिक स्वार्थ के लिए देश की एकता-अखंडता को क्षति पहुँचाने में लगे रहते हैं। यह ऐतिहासिक सच्चाई है कि विदेशी मुस्लिम बादशाहों ने भारत पर कभी लूटपाट के लिए और कभी अपनी सत्ता स्थापित कर इस्लामी झंडा फहराते हुए भारत की धर्म, संस्कृति, परम्परा को क्रूरता से कुचलने की लगातार कोशिश की। चाहे बाबर, तैमूर, गौरी हो या औरंगजेब हो, सभी की बर्बरता की कहानी इतिहास चीख-चीखकर कह रहा है। इतिहास को कुरेदकर यह समीक्षा करने की प्रासंगिकता नहीं है कि ये क्रूर हमलावर क्यों सफल हुए, भारत की राजशक्ति इस क्रूरता का प्रतिकार क्यों नहीं कर सकी। इस सबकी तह में जाने से यह पता चलता है कि कहीं न कहीं भारतीय समाज में अपने देश के प्रति निष्ठा कमजोर थी, लेकिन आज एक बात दिखाई देने लगी है कि भारतीय युवा अपने धर्म के प्रति निष्ठा का प्रदर्शन कर रहा है और ऐसा करने में उसे गौरव का अहसास भी होता है। हम देखते हैं कि देश के विरोध में उठने वाली हर आवाज का हर स्तर पर सटीक जवाब दिया जाने लगा है। हम यह भी जानते हैं कि क्रिया की प्रतिक्रिया होती है, जो गलत काम करते हैं, वे लोग अच्छे कामों की बुराई ही करेंगे।वर्तमान में भारत की करीब बीस प्रतिशत आबादी मुस्लिमों की है। इनके पूर्वज हमलावरों की क्रूरता के शिकार हुए और अपने परिवार की जीवन रक्षा के लिए इन्होंने मजबूरी में इस्लाम कबूल किया। इसलिए इस सच्चाई को कैसे नकारा जा सकता कि इनके पूर्वज हिन्दू थे।

कांवड़ यात्रा निकले या ना निकले, योगी वोटरों को जो संदेश देना चाहते थे वह उन्होंने दे दिया

अजय कुमार

उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार को ओडिशा की नवीन पटनायक सरकार से सबक लेना चाहिए जिन्होंने जब पुरी में भगवान जगननथ की वार्षिक रथयात्रा निकाली गई तो शहर में कर्फ्यू लगा दिया गया ताकि भक्तों की भीड़ को रोका जा सके। कांवड़ यात्रा को लेकर योगी सरकार पर सुप्रीम कोर्ट सख्त रवैया अख्तियार किए हुए है तो लिबरल गैंग भी सवाल खड़े कर रहा है कि कोरोना की तीसरी लहर आने वाली है, ऐसे में यूपी सरकार कांवड़ यात्रा निकाले जाने की अनुमति कैसे दे सकती है। हालांकि योगी सरकार ने कांवड़ यात्रा के लिए कुछ प्रोटोकॉल भी तय कर दिए हैं, लेकिन ऐसे प्रोटोकॉल का कितना पालन होता है, यह सब जानते हैं। फिर जब कोरोना महामारी के चलते कुंभ को बीच में खत्म किया गया था तो उससे सबक लेते हुए भी योगी सरकार को ऐसा कोई कदम नहीं उठाना चाहिए था, जिससे वह कोर्ट और विरोधियों के निशाने पर आ जाये। कोर्ट ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के उस बयान का भी उल्लेख किया है, जिसमें उन्होंने कहा था कि कोरोना संक्रमण को रोकने के लिए किसी तरह का समझौता नहीं किया जा सकता है। कांवड़ यात्रा निकाले जाने की छूट उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड दोनों सरकारों ने दी थी लेकिन सुप्रीम कोर्ट में मामला पहुँचते ही उत्तरखंड सरकार ने तो आदेश वापस ले लिया, लेकिन योगी सरकार ने ऐसा नहीं किया। राज्य सरकार ने हालांकि प्रतीकात्मक कांवड यात्रा निकालने की बात कही तो अदालत ने इस पर भी उसे पुनर्विचार के लिए कह दिया।

बहरहाल, कोर्ट का इस मुद्दे पर अंतिम फैसला जो भी हो, लेकिन इतना तो है ही कि योगी सरकार ने कांवड़ यात्रा की इजाजत देकर राजनैतिक फायदा तो ले ही लिया है। कांवड़ यात्रा निकाले जाने की योगी सरकार द्वारा छूट दिए जाने से बीजेपी के वोटरों में यह संदेश पहुँच चुका है कि योगी सरकार तो कांवड़ यात्रा निकलवाना चाहती है, लेकिन कोर्ट की वजह से ऐसा नहीं हो पा रहा है। बात सुप्रीम कोर्ट की कि जाए तो जिस तरह से कोर्ट ने स्वतः संज्ञान लेकर योगी सरकार के साथ केंद्र सरकार को भी नोटिस जारी किया, उस पर किसी को हैरानी नहीं है। प्रधानमंत्री मोदी जब हिल स्टेशनों पर जुट रही सैलानियों की भीड़ को गंभीरता से लेते हुए यहां तक कह रहे हैं कि हम तीसरी लहर को स्वयं बुलादा दे रहे हैं तब तो योगी सरकार को बिल्कुल भी ऐसा कुछ नहीं करना चाहिए था, जिससे उनकी(योगी) और केन्द्र दोनों सरकारों की साख पर आंच आए। जब कोरोना महामारी के चलते पूरे देश में विभिन्न धार्मिक-सांस्कृतिक आयोजन या तो स्थगित किए जा रहे हैं या फिर उन्हें प्रतीकात्मक रूप से आयोजित किया जा रहा है। यहां तक कि वैवाहिक कार्यक्रमों और शव यात्रा में कितने लोग जा सकते हैं इस तक की संख्या तय कर दी गई हो, तब योगी सरकार कांवड़ यात्रा निकालने की इजाजत कैसे दे सकती है।

योगी सरकार को ओडिशा की नवीन पटनायक सरकार से सबक लेना चाहिए जिन्होंने जब पुरी में भगवान जगननथ की वार्षिक रथयात्रा निकाली गई तो शहर में कर्फ्यू लगा दिया गया ताकि भक्तों की भीड़ को रोका जा सके। जगननथ यात्रा को लेकर कुछ इसी तरह का फैसला गुजरात सरकार ने भी लिया गया। ऐसा कोरोना संक्रमण के कारण किया गया। अच्छा होगा योगी सरकार कांवड़ यात्रा पर अपना आदेश वापस ले। इसके साथ ही उसे त्योहारी सीजन में बाजारों में बढ़ रही भीड़ को भी नियंत्रित करने के लिए कुछ कदम उठाना चाहिए, जिस प्रकार से बाजारों में प्रोटोकॉल ताक पर रखकर लोग खरीददारी के लिए जुट रहे हैं, वह कोरोना के प्रसार में खतरे की घंटी साबित हो सकता है। इतना ही नहीं धार्मिक स्थलों पर भी कोरोना प्रोटोकॉल की धज्जियां उड़ाई जा रही हैं, इस ओर भी सरकार को ध्यान देना होगा। मंदिर हो चाहे मस्जिद, अपवाद को छोड़कर कहीं भी प्रोटोकॉल का पालन नहीं हो रहा है। इसी तरह से बकरीद पर पशुओं की बाजार में भी बेतहाशा भीड़ जुट रही है। आने वाले दिनों में जन्माष्टमी, रक्षाबंधन और अन्य कई त्योहारों के कारण भी बाजारों से लेकर बस और रेलवे स्टेशनों पर भी भीड़ का मंजर देखने को नहीं मिले इसके लिए अभी से सरकार को तैयारी और सख्त फरमान जारी कर लेना चाहिए।

धार्मिक स्थलों, बाजारों, हिल स्टेशनों, रेलवे और बस स्टेशनों पर जिस तरह की भीड़ दिखाई उससे इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आईएमए) भी परेशान है। कोरोना महामारी जब फैलती है तो सबसे अधिक नुकसान और परेशानी मेडिकल क्षेत्र के लोगों की होती है। कोरोना के चलते हजारों डॉक्टरों और हेल्थ वर्करों को अपनी जान गंवानी पड़ी थी। आईएमए लगातार सरकार से गुजारिश कर रहा है कि तीर्थ यात्राओं और पर्यटन पर रोक लगाने की जरूरत है। बीते दिनों प्रधानमंत्री ने भी इस पर चिंता व्यक्त की कि पर्यटन स्थलों में भारी भीड़ कोरोना प्रोटोकॉल का उल्लंघन करती हुई दिख रही है। उनकी इस चिंता का आशय यही था कि राज्य सरकारें सार्वजनिक स्थलों में भीड़ को इस तरह जमा होने से रोकें।

ऐसे समय जब कोरोना संक्रमण की तीसरी लहर की आशंका गहराती जा रही है और कुछ राज्यों में कोरोना मरीजों की संख्या कम होने का नाम नहीं ले रही, तब ऐसे किसी आयोजन से बचने में ही आम जनता की भलाई है, यह बात सरकार तो बता ही रही है, आम जनता को भी समझना चाहिए। पिछले डेढ़ साल में दुनिया के तमाम देशों के लोग इस हकीकत के गवाह हैं कि कोरोना न किसी का धर्म देखता है, न जात और न ही उम्र का तकाजा उसके लिए मायने रखता है। वह सबको समान रूप से चपेट में लेता है, लेकिन देश का दुर्भाग्य यह है कि इस महामारी पर भी धर्म की आस्था 'जान है तो जहान है' पर भारी पड़ रही है। कोरोना की दूसरी लहर के बीच हमने हरिद्वार के कुंभ में जुटी लाखों लोगों की भीड़ के दृश्य देखे और फिर उसका नतीजा भी भुगता और अब जबकि देश के तमाम डॉक्टर-विशेषज्ञ तीसरी लहर आने के लिए आगाह कर रहे हैं, तब उत्तर प्रदेश की सरकार ने कांवड़ यात्रा निकालने की इजाजत दे दी है। सिर्फ डॉक्टर ही नहीं बल्कि कोई भी समझदार इंसान इस फैसले को उचित नहीं कहेगा, जहां लाखों श्रद्धालुओं की भीड़ इस संक्रमण को फैलाने में मददगार बने।

हमारे देश का संविधान हर नागरिक को अपने धर्म-मज़हब में आस्था रखने व उसके प्रदर्शन करने का अधिकार देता है, लेकिन वो ये हक़ कतई नहीं देता कि आस्था का वह प्रदर्शन किसी दूसरे इंसान की जिंदगी के लिये ख़तरा बन जाये। देश के हर राज्य के हर शहर के गली-मुहल्ले में शिवालय मंदिर हैं। जहां जल अर्पित करके श्रद्धालु अपनी आस्था पूरी कर सकते हैं। उसके लिए भारी-भरकम म्यूजिक के साथ भीड़ का सड़कों पर आना कोई अनिवार्य बाध्यता नहीं है कि उसके बगैर भोले भंडारी प्रसन्न नहीं हो सकते। सवाल यह भी उठता है कि हरिद्वार कुम्भ के कड़वे अनुभव से सबक लेकर जब उत्तराखंड सरकार कांवड़ यात्रा को रोकने का समझदारी भरा निणर्य ले सकती है तब यूपी सरकार ही यात्रा कराने के लिए क्यों अड़ी हुई है? जबकि दोनों ही राज्यों में भारतीय जनता पार्टी की डबल इंजन वाली सरकारें हैं। बात कावंड़ यात्रा की इजाजत के पीछे के राजनैतिक कारणो पर की जाए तो यह सच है कि दोनों प्रदेशों में अगले साल विधानसभा चुनाव हैं। इसलिए तमाम नेतागण जनता को लुभाने का कोई मौका नहीं छोड़ना चाहते हैं। बीजेपी सत्ता में है इसलिए उसके पास जनता को खुश करने के ज्यादा विकल्प भी हैं। अगर यह मान भी लें कि इस यात्रा के जरिये हिंदुत्व-शक्ति का प्रदर्शन करने से बीजेपी को विधानसभा चुनाव में कुछ अधिक सियासी फायदा मिल सकता है, तो फिर उत्तराखंड को इसे रद्द करने पर मजबूर क्यों होना पड़ा? अच्छी बात ये है कि कोरोना काल के दौर में देश की सवीच्च अदालत को लोगों की जिंदगी की भी ज्यादा परवाह है, इसीलिए सुप्रीम कोर्ट ने यूपी सरकार के इस फैसले पर स्वतः ही संज्ञान लेते हुए नोटिस जारी किया है।

हालांकि, यूपी सरकार के स्वास्थ्य मंत्री जय प्रताप सिंह ने दलील दी है कि ङ्घयह राज्य की जिम्मेदारी है और हम सुनिश्चित करेंगे कि श्रद्धालुओं की आरटीपीसीआर टेस्टिंग हो।'' स्वास्थ्य मंत्री ने ये भी कहा कि यह आस्था का विषय है और हर साल की तरह यह यात्रा होगी। लेकिन यहां यह याद दिलाना जरुरी है कि कुंभ के दौरान उत्तराखंड सरकार ने भी ऐसी ही दलील दी थी लेकिन जमीनी हकीकत कुछ और ही बता रही थी। लोगों ने कोरोना नियमों की जमकर धज्जियां उड़ाई थीं। चूंकि कांवड़ यात्रा में लाखों शिवभक्त भाग लेते हैं इसलिए संक्रमण फैलने की आशंका तो है ही। हालांकि उत्तर प्रदेश सरकार ने कांवड़ यात्रा में भाग लेने वाले श्रद्धालुओं के लिए आरटीपीसीआर की निगेटिव रिपोर्ट अनिवार्य करने की बात कही है, लेकिन इसकी अनदेखी नहीं की जा सकती कि जरा-सी नादानी बड़ी समस्या को जन्म दे सकती है। इसीलिए यह मानने के अच्छे-भले कारण हैं कि सुप्रीम कोर्ट ने कांवड़ यात्रा को इजाजत देने के उत्तर प्रदेश सरकार के निणर्य का संज्ञान क्यों लिया है। कुल मिलाकर यह कहा जा सकता है कि योगी सरकार ने कावंड़ यात्रा की इजाजत देकर विरोधियों के ऊपर सियासी बढ़त बनाने की कोशिश की है। सुप्रीम कोर्ट की दखलंदाजी और सख्त रवैये के बाद यूपी में कावंड़ यात्रा निकले, इस बात की संभावना नहीं के बराबर रह गई है। हाँ, योगी सरकार ने अपने वोटरों को जरूर खुश कर दिया और अपनी हिन्दुत्व वाली छवि भी 'बड़ी' कर ली क्योंकि योगी के प्रशंसक और समर्थक उनसे ऐसे ही फैसलों की उम्मीद रखते हैं।

लुका-छुपी!

कुसुम अशोक सुराना

मानसी शीशे की बड़ी बड़ी दीवारों से अथांग फैले सागर को निहार रही थी! शोर करती अनगिनत लहरे दौड़ दौड़ कर आती और ऑफिस से थके-हारे घर लौटे पिता से लिपटते मासूम बच्चे सी किनारे को लिपट जातीष्ठपल भर ठहर कर, फिर अट्टाहास कर सागर में लौट जाती! लहरें जिद्दी थी न बिल्कुल मानसी की जैसी!

घुटने का ऑपरेशन होने बाद मानसी सिर्फ. एक ही ध्यास लगाए बैठी थीष्ठकब डॉक्टर उसे अनुमति दे और कब वह प्रशिक्षण शिबिर से जुड़े! खेल उसके जीवन का अभिनन्अंग बन चूका था। यह उसके लिए जीवन का सबसे अनूठा और महत्त्वपूर्ण मौका था मानो अब तक की सभी उपलब्धियों पर रतन्जडि़त मुकुट!

मेडल और ट्राफियों से अलमारियां भरी पड़ी थी लेकिन ओलिंपिक का कोई सानी नहीं! ओलिंपिक स्टेडियम में मार्च पास करना, देश के लिए दर्शकों की तालियों की गड़गडाहट के बीच जी- जान लगाकर प्रदर्शन करना, हर किसी के भाग्य में कहां होता है? कहीं मेरा भाग्य तो नहीं रुठेगा न? आसमान में बदलते रंगों की तरह मानसी के मानसपटल पर भावों की लुका-छुपी जारी थी! क्षितिजरेखा को छूती रंगोली को देख वह उठ खड़ी हुई! अस्ताचल की ओर अग्रेसर सूर्य मानसी को विचलित कर रहा था! आशंकाओं के घने बादल मन में उमड़ घुमड़ कर शोर मचा रहे थे! क्या वह मां भारती के भाल पर कुंकुम तिलक लगा पायेगी? देश के लिए अपना सर्वस्व दांव पर लगा पायेगी? विचारों का तुफान गुज़र चूका था! अंधेरों को चूम कर मुस्कुराता चांद अपने पूरे शबाब पर था! तभी मोबाईल की रिंग टोन बजने लगीष्ठ. ङ्घइतनी शक्ति हमें देना दाताष्ठमन का विश्वास कमजोर न होष्ठ.मानसी विश्वास से लबालब हो उठ खड़ी हुई! अपने कोच से बात कर वह निश्चिंत हो चुकी थी! आलिंपिक पोडियम पर खडे रह कर, ऊर्ध्व की ओर बढ़ते तिरंगे को देखना तथा राष्ट्गीत को सुनने का सपना, निशा की कुक्षी में पल रहे सूर्य सा, आकार ले रहा था! सपने को हकीकत में बदलने के लिए अथक भगीरथ प्रयास, अटूट जीवट, अद्भुत जद्दोजहद जरुरी थी! लक्ष्य पर अर्जुन सी, मीन की आंख पर टिकी नजर आवश्यक थी! अंतरिक्ष में चक्कर लगाते उपग्रह सी वह अवचेतन में गोलाकार घूम रही थीष्ठअदृश्य शक्ति के साथष्ठनिरंतरष्ठ.एक ही मंजि़ल का ध्यास लिए।

यूपी विधानसभा सचिवालय में जींस और टी-शर्ट पर लगा बैन

सादे कपड़े पहनकर ऑफिस आएंगे अधिकारी-कर्मचारी

लखनऊ (एजेंसी)। यूपी विधानसभा सचिवालय में कार्यरत अधिकारी और कर्मचारियों के लिए आदेश जारी हुआ है। सचिवालय में आने वाले कर्मचारी और अधिकारी अब जींस और टी-शर्ट पहनकर नहीं आ सकेंगे। जींस और टी-शर्ट पहनने पर यहां रोक लगा दी गई। विधानसभा सचिवालय के संयुक्त सचिव ने इसको लेकर आदेश भी जारी कर दिया। आदेश में कहा गया है कि सचिवालय की गरिमा के अनुरूप ही अधिकारी और कर्मचारी कपड़े पहनेंगे।

सचिवालय में टी-शर्ट और जींस पर बैन को लेकर यूपी विधानसभा अध्यक्ष हृदय नारायण दीक्षित ने सलाह दी है। उन्होंने कहा कि हमारे कर्मचारियों को एक सभ्य ड्रेस कोड का पालन करना चाहिए, हालांकि यह परिभाषित नहीं है। यह कोई निर्देश नहीं बल्कि एक सलाह है। उन्होंने कहा कि अनुपालन नहीं करने पर कोई कार्रवाई नहीं की जाएगी। मेरे कहने का मतलब यह नहीं है कि हमारे कर्मचारी शालीन कपड़े नहीं पहनते हैं, लेकिन विधानसभा में आने वाले लोगों को इसे शानदार तरीके से करना चाहिए।

यूपीः जल्द पूरा होगा पीएम मोदी का यह सपना, सीएम योगी बोले-तेजी से हो रहा निर्माण कार्य

लखनऊ (एजेंसी)। यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के समक्ष शनिवार को नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट जेवर की 1,334 हेक्टेयर जमीन का 90 साल के लिए लीज़ एग्रीमेण्ट किया गया। अब इसका शिलान्यास प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से कराए जाने की है। मुख्यमंत्री ने कहा कि इसके साथ ही अब जेवर एयरपोर्ट का तेजी से निर्माण शुरू होगा।

इसके लिए विकासकर्ता कंपनी को पूरा सहयोग प्रदान किया जाएगा। मुख्यमंत्री आवास पर लीज एग्रीमेंट कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने कहा कि अब उत्तर प्रदेश को विश्व पटल पर विकास योजनाओं को तेजी के साथ क्रियान्वित करने के लिए जाना जाएगा। इससे उत्तर प्रदेश की एयर कनेक्टिविटी और बेहतर हो जाएगी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का सपना है कि आम आदमी को भी हवाई सेवाएं उपलब्ध हो सकें। जेवर एयरपोर्ट का विकास उनके इस सपने को साकार करेगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में वर्ष 2017 में 04 एयरपोर्ट (लखनऊ, वाराणसी, गोरखपुर तथा आगरा) थे तथा कुल 25 गन्तव्य स्थान (लखनऊ से 15, वाराणसी से 8, गोरखपुर से 1, आगरा से 1) हवाई सेवाओं से जुड़े थे। अब 08 एयरपोर्ट हो गए हैं, जिनसे कुल 71 गंतव्य स्थानों से (लखनऊ से 21, वाराणसी से 20, गोरखपुर से 8, आगरा से 5, प्रयागराज से 11, कानपुर नगर से 3, हिंडन से 2, बरेली से 1) के लिए हवाई सेवाएं उपलब्ध हैं। 10 एयरपोर्ट्स (आगरा, सहारनपुर, अलीगढ़, आजमगढ़, मुरादाबाद, श्रावस्ती, चित्रकूट, सोनाभद्र, अयोध्या, जेवर) का विकास कराया जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में लखनऊ, वाराणसी तथा कुशीनगर में अन्तर्राष्ट्रीय स्तर के हवाई अड्डे हैं। जेवर एवं अयोध्या में बनने वाले अन्तर्राष्ट्रीय हवाई अड्डों इनकी संख्या बढ़कर 05 हो जाएगी। उन्होंने कहा कि जेवर एयरपोर्ट की जमीन से एयरपोर्ट की भूमि से सम्बन्धित परिवारों के पुनर्वासन से पुनर्व्यवस्थापन का कार्य 99 प्रतिशत तक पूर्ण हो चुका है।

वर्ष 2021-22 में इस एयरपोर्ट का निर्माण कार्य प्रारम्भ होकर प्रथम चरण का कार्य तीन वर्ष में पूर्ण होगा। जब यह एयरपोर्ट प्रारम्भ होगा तो 12 मिलियन पैसेन्जर से शुरू होगा जो चरणवार बढ़ कर वर्ष 2040-50 तक बढ़कर 70 मिलियन हो जायेगा। नोएडा इन्टरनेशनल एयरपोर्ट द्वारा 40 वर्षों के लिए भूमि यमुना इन्टरनेशनल एयरपोर्ट प्राइवेट लिमिटेड को लाइसेंस के आधार पर दी जाएगी। जेवर एयरपोर्ट को हाई स्पीड रेल व इंदिरा गांधी एयरपोर्ट से जोड़े जाने तथा मेट्रो रेल से जोड़ने का काम भी होगा। ज़ेवर एयरपोर्ट के लिए 1334 हेक्टेयर भूमि को लीज़ पर देने के राज्य सरकार की ओर से लीज़ एग्रीमेण्ट पर विशेष सचिव नागरिक उड्डयन विशाक जी और तथा नोएडा इन्टरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड की ओर से यीडा के सीईओ डॉ. अरुण वीर सिंह ने हस्ताक्षर किए। नोएडा इन्टरनेशनल एयरपोर्ट, ज़ेवर हेतु शेयर होल्डर एग्रीमेण्ट पर ज्यूरिख एयरपोर्ट की कम्पनी की तरफ़ से सीईओ क्रिसटोफ शेलमन तथा नोएडा इन्टरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड की ओर से निदेशक नागरिक उड्डयन विशाक जी और सीईओ डॉ. अरुण वीर सिंह ने हस्ताक्षर किए।

बसपा ने संगठन में किया बदलाव, मुख्य सेक्टर प्रभारियों की बदली गई जिम्मेदारी

लखनऊ (एजेंसी)। बसपा सुप्रीमो मायावती मिशन-2022 को लेकर इन दिनों संगठन को दुरुस्त करने में जुटी हुई हैं। संगठन को मजबूती देने के लिए मुख्य सेक्टर प्रभारियों की जिम्मेदारियों में एक बार फिर से फेरबदल किया है। भीमराव अंबेडकर को प्रयागराज मंडल से हटा दिया गया है। उन्हें कानपुर मंडल की जिम्मेदारी दी गई है। कानपुर मंडल का काम देख रहे अशोक सिद्धार्थ को कानपुर से हटाकर प्रयागराज लगाया गया है। वह अब लखनऊ के साथ प्रयागराज मंडल देखेंगे। बसपा सुप्रीमो ने विधानसभा चुनाव को देखते हुए बूथ गठन के काम को तेजी से पूरा करने का निर्देश दिया है। बूथ गठन

की जिम्मेदारी पहले जिलाध्यक्ष देख रहे थे। मायावती ने अब मुख्य सेक्टर प्रभारियों को भी इसके काम में लगा दिया गया है। मुख्य सेक्टर प्रभारी स्वयं अपने प्रभार वाले जिलों में जाकर अपनी देखरेख में बूथ गठन का काम पूरा कराएंगे। अगस्त तक हर हाल में बूथ गठन का काम पूरा कराने की जिम्मेदारी मुख्य सेक्टर प्रभारियों को सौंपी गई है। इसके साथ ही भाईचारा कमेटियों को एक बार फिर से सक्रिय करने का निर्देश दिया गया है। भाईचारा और ब्राह्मणों को पार्टी के साथ जोड़ने की जिम्मेदारी बसपा के राष्ट्रीय महासचिव सतीश चंद्र मिश्र को दी गई है। भाईचारा कमेटियों के गठन का काम भी जल्द पूरा करने का निर्देश दिया गया है। वर्ष 2007 के चुनाव में भाईचारा कमेटियों ने बसपा के पक्ष में माहौल बनाने का काम किया था। इसीलिए एक बार फिर से इन कमेटियों को गठित करते हुए सक्रिय करने का निर्देश दिया गया है।पार्टी के जानकारों के मुताबिक सेक्टर गठन, बूथ गठन और भाईचारा कमेटियों के गठन की समीक्षा बसपा सुप्रीमो अगस्त के दूसरे हफ्ते में करेंगी। मुख्य सेक्टर प्रभारियों से इस बैठक में रिपोर्ट ली जाएगी। इसके आधार पर संगठन की मजबूती परखी जाएगी और जरूरी सुधार के भी निर्देश दिए जाएंगे। बसपा सुप्रीमो इन दिनों लखनऊ में ही हैं और विधानसभा चुनाव की तैयारियों में जुटी हुई हैं।

लखनऊ मंडलः अशोक सिद्धार्थ, नौशाद अली, रामजी गौतम, धर्मवीर सिंह। अशोक सिद्धार्थ लखनऊ के प्रयागराज भी देखेंगे

प्रयागराज मंडलः डा. अशोक सिद्धार्थ, डा. विजय प्रताप, अशोक कुमार गौतम, राजू गौतम, दीपचंद्र गौतम

कानपुर मंडलः भीमराव अंबेडकर, नौशाद अली

मिर्जापुर मंडलः डा. विजय प्रताप गौतम, अशोक गौतम, बी सागर, राज नरायण निराला

वाराणसी मंडलः डा. विजय प्रताप गौतम के साथ अन्य पुराने लोगों को लगाया गया है

बलिया में बड़ा हादसा, सड़क किनारे खड़े आठ लोगों को प्राइवेट एंबुलेंस ने रौंदा, एक की मौत

रसड़ा (बलिया) (एजेंसी)। सड़क किनारे खड़े होकर सांस्कृतिक कार्यक्रम देख रहे आठ लोगों को शुक्रवार की रात एक निजी एंबुलेंस ने रौंद दिया। सभी को अस्पताल पहुंचाया गया जहां पर एक की मौत हो गई। शनिवार की सुबह विरोध में ग्रामीणों ने राजधानी रोड को जाम कर दिया। पुलिस व प्रशासनिक अधिकारियों के प्रयास से जाम समाप्त हो सका। स्थानीय कोतवाली क्षेत्र के पहाड़पुर गांव में शुक्रवार की रात पूर्व मंत्री घूरा राम की पुण्यतिथि पर बिरहा कार्यक्रम का आयोजन किया गया था।

रात करीब 10 बजे कुछ लोग मुख्य सड़क के किनारे खड़ा होकर सांस्कृतिक कार्यक्रम का आंनद ले रहे थे। इसी बीच बलिया की ओर आ रही तेज रफ्तार एंबुलेंस ने आठ लोगों को रौंद दिया। इस हादसे गड़वार थाना क्षेत्र के नरांव निवासी 21 वर्षीय राजा भारती, 18 वर्षीय मनीष, 18 वर्षीय सीताराम चौहान, इसी थाना क्षेत्र के अंदौर निवासी पहाड़पुर का सफाई कर्मी 35 वर्षीय देवेंद्र यादव, 17 वर्षीय अनीश यादव, पहाड़पुर निवासी 37 वर्षीय हृदयानंद यादव के अलावे कई अन्य लोग घायल हो गए। सभी घायलों को पीएचसी चिलकहर पर पहुंचाया गया जहां के डॉक्टरों ने प्राथमिक इलाज के बाद सभी को जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। सदर अस्पताल पहुंचने के बाद राजा भारती की जिला अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई। जिला अस्पताल के डॉक्टरों ने गंभीर रुप से घायल मनीष को वाराणसी भेज दिया। घटना के बाद वापस बलिया की ओर भाग रहे एंबुलेंस का पीछा कर ग्रामीणों ने फेफना रेलवे क्रासिंग के पास से पकड़ लिया और पुलिस के हवाले कर दिया।

उधर, मुआवजा व कार्रवाई की मांग करते हुए शनिवार की सुबह ग्रामीणों ने चिलकहर चट्टी के मोड़ के पास बलिया-रसड़ा मार्ग को जाम कर दिया। इसके चलते राजधानी रोड पर वाहनों का आवागमन ठप पड़ गया तथा वाहनों की लम्बी कतार लग गई। खबर मिलने के बाद पहुंचे एसडीएम रसड़ा प्रभुदयाल व एसओ गड़वार राजीव सिंह ने समझा-बुझाकर मामला शांत कराया। इसके बाद करीब एक घंटे तक चला जाम समाप्त हो सका।

मणप्पुरम गोल्ड लूटकांडः वारदात के दो घंटे के अंदर बदमाशों से पुलिस की मुठभेड़, दो को गोली लगी, गिरफ्तार

आगरा (एजेंसी)। आगरा में शनिवार को दिन दहाड़े जितनी आसानी से हथियार बंद बदमाश 17 किलो सोना और 5 लाख कैश लूट ले गए उससे पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया था लेकिन वारदात के दो घंटे के अंदर ही दो बदमाशों को गिरफ्तार कर पुलिस ने बड़ी कामयाबी हासिल कर ली है। बताया जा रहा है कि पुलिस के साथ मुठभेड़ में दोनों बदमाशों के पैर में गोली लगी है। शनिवार की दोपहर एक बजे के करीब आगरा के कमलानगर स्थित मणप्पुरम गोल्ड लोन कंपनी की शाखा में घुसकर 17 किलोग्राम सोना और पांच लाख रुपए उड़ा ले गए हथियार बंद बदमाश एत?मादपुर क्षेत्र से होकर भागे थे। पुलिस को उनका सुराग सीसीटीवी फुटेज से लगा। इसके बाद पुलिस ने बदमाशों की घेराबंदी की तो बदमाशों ने फायरिंग करनी शुरू कर दी। पुलिस ने भी फायरिंग से इसका जवाब दिया। बताया जा रहा है कि पुलिस की फायरिंग में दो बदमाशों को पैर में गोली लगी। दोनों को गिरफ्तार कर लिया गया है।

मणप्पुरम गोल्ड लोन कंपनी की शाखा आगरा के कमला नगर थाना क्षेत्र के सेंट्रल बैंक मार्ग पर एक इमारत की पहली मंजिल पर है। इस इमारत में कई और दुकानें हैं। बदमाशों के दुस?साहस का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि शनिवार की दोपहर वे दिन दहाड़े शाखा में दाखिल होते हैं, स?टॉफ को बंधक बनाते हैं और फिर 17 किलोग्राम सोने की ज?वैलरी और 5 लाख कैश लूटकर पैदल ही फरार हो गए। जाते-जाते उन?होंने कर्मचारियों को शाखा के अंदर ही बंद कर दिया था। बदमाशों के फरार होने के बाद कर्मचारियों ने किसी तरह आसपास के लोगों की मदद से गेट खुलवाया और बाहर निकले।

प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि बदमाशों ने अपने चेहरे ढंक रखे थे। शोर मचाने पर उन?होंने गोली मारने की धमकी दी और सबको चुप करा दिया। उनके हाथों में हथियार थे। कर्मचारियों को बंधक बनाने के बाद उन?होंने अपने बैगों में जल?दी-जल?दी सोने के जेवरात और रुपए भरे। इसके बाद पैदल ही फरार हो गए। वारदात की सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने प्रमुख चौराहों की नाकाबंदी कर दी। सीसीटीवी फुटेज से एत?मादपुर क्षेत्र के खंदौली मार्ग पर बदमाशों की घेराबंदी की और मुठभेड़ के बाद दो बदमाशों को गिरफ्तार कर लिया। सूत्रों के अनुसार बदमाशों के पास से पुलिस को लूट का सामान भी मिला है। उनके चार साथी फरार बताए जा रहे हैं।

कानपुरः साथ चलने से महिला ने किया मना तो दारोगा ने पटककर पीटा, एसपी ने दिए जांच के आदेश

कानपुर (एजेंसी)। कानपुर देहात के भोगनीपुर कोतवाली क्षेत्र के दुर्गदासपुर गांव में चोरी मे आरोपित युवक की तलाश मे गए दरोगा ने एक महिला से बदसलूकी की। इस पर गांव की महिलाएं पुलिस से भिड़ गईं। आक्रोशित दरोगा ने एक महिला को जमीन में पटकर बुरी तरह पीटा। इससे तनाव का माहौल बन गया। महिला की पिटाई का वीडियो वायरल होने के बाद एसपी ने मामले में जांच का निर्देश दिया है। दुर्गदासपुर गांव निवासी वीरेंद्रसिंह के यहां चोरी की घटन I होने के बाद उन्होने 7 जून को भोगनीपुर कोतवाली में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। इसमें गांव के ही सुरजीत सिंह पर चोरी का संदेह जताया था। शनिवार को चौकी इंचार्ज पुखरायां महेंद्र सिंह पुलिस कमिन्यों के साथ दुर्गदासपुर गांव में छानबीन करने गए थे। पुलिस ने गांव पहुंचने के बाद वहां मिले शिवम से आरोपित के घर के बावत पूछतांछ की। आरोप है कि उसने साथ जाकर आरोपित का घर बताने से इनकार किया तो पुलिस ने उसके साथ गाली गलौज करने के साथ पीट दिया।

बचाने पहुंची उसकी मां को भी दरोगा ने जमीन में पटककर पीटा। इससे वहां मौजूद महिलाएं पुलिस से उलझ गईं। बावल बढ़ता देख पुलिस कर्मी महिला अनीता व शिवम को वहां से हिरासत में लेकर कोतवाली आ गए। ग्रामीणों नरे चौकी इंचाज 'पर कई दिन से गांव आकर अकारण लोगों से गाली गलौज व बदसलूकी करने का आरोप लगाया।

यूपी के इस जिले में तबादले की आंधी से हड़कंप, 40 फीसदी कर्मचारी इधर से उधर

गोरखपुर (एजेंसी)। स्वास्थ्य महकमे में तबादला एक्सप्रेस तेजी से चली है। इस आंधी में करीब 40 फीसदी क्लर्क संवर्ग के कर्मचारी गैर जनपद में भेज दिए गए है। इस तबादले की आंधी में दिव्यांग, विधवा, दंपत्ति और पंजीकृत कर्मचारी संगठनों के पदाधिकारी भी गैर जनपद भेज दिए गए। इन कर्मचारियों को 300 से 500 किलोमीटर दूर तबादला किया गया है।

सूबे के चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाएं के निदेशक कार्यालय की तरफ से प्रदेश भर के चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग में एक साथ तबादला किया जाने का आदेश जारी किया गया है। इसी आदेश के क्रम में जनपद के स्वास्थ्य विभाग में एक साथ कुल 35 स्वास्थ्य कर्मचारियों के तबादले की सूची जारी हो गइ। इस सूची के जारी होने के बाद से हड़कंप मच गया है।

तबादला होने वालों में दो अपर निदेशक चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण के मेडिकल स्टाफ है। इसके अलावा चार वरिष्ठ सहायक लिपिक शामिल हैं। सबसे ज्यादा संख्या कनिष्ठ लिपिकों का तबादला हुआ है। इस संवर्ग में सीएमओ एवं उसे संबद्ध कार्यालय में तैनात 28 कर्मचारियों का तबादला हो गया। इन 28 में दो कनिष्ठ लिपिक जिला अस्पताल के शामिल हैं। वहीं एक कर्मचारी आशुलिपिक के पद पर तैनात है। इस तबादले की सूची में जिला अस्पताल में तैनात विधवा कर्मचारी, सीएमओ कार्यालय में तैनात पंजीकृत कर्मचारी संगठन के महासचिव, दिव्यांग संतान के पिता और दंपत्ति शामिल है। कुछ पावरफुल कर्मचारी तबादला रुकवाने में सफल रहे।

लखीमपुर खीरी में पहुंची प्रियंका गांधी ने भाजपा पर साधा निशाना, बोलीं-

यूपी में छीने जा रहे लोकतांत्रिक अधिकार

लखीमपुर-खीरी (एजेंसी)। कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव और उत्तर प्रदेश प्रभारी प्रियंका गांधी ने शनिवार को ब्लाक प्रमुख चुनावों को लेकर प्रदेश सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि प्रदेश में लोकतांत्रिक अधिकार छीने जा रहे हैं। महिलाओं को चुनाव लड़ने पर पीटा जा रहा, उनके कपड़े फाड़े जा रहे हैं। पंचायत चुनाव में हिंसा हुई। बम चले, लेकिन प्रधानमंत्री इस जीत पर बधाई दे रहे हैं।

प्रियंका गांधी पसगवां ब्लॉक के सेमरा घाट गांव में ब्लॉक प्रमुख चुनाव में अभद्रता की शिकार हुई सपा की महिला प्रत्याशी रीतू सिंह और प्रस्तावक अनीता यादव से मिलने पहुंची थी। शनिवार दोपहर सपा नेता क्रांति कुमार सिंह के घर पहुंची प्रियंका ने दोनों महिलाओं से करीब 20 मिनट तक अकेले में बात की।बाहर निकलकर उन्होंने मीडिया से बातचीत में कहा कि पसगवां में चुनाव लड़ने गई महिलाओं पर अत्याचार हुआ। किसी ने ऐसा करने वालों को रोका नहीं। प्रशासन मौन है। प्रियंका ने पूछा कि यहां का चुनाव रद क्यों नहीं किया गया? क्या इन महिलाओं को चुनाव लड़ने का हक नहीं है। उन्होंने सवाल उठाया कि क्या दस गुंडे मारपीट कर यूपी में चुनाव जीत

जयमाल के बाद दूल्हे की शक्ल देखकर भड़की दुल्हन, बोली- न लहंगा लाए और न हार, मेरी चौखट पर क्यों लाए बारात

बरेली। सेंथल (एजेंसी)। यूपी के बरेली जिले में सात फेरों से पहले ही दुल्हन ने शादी करने से इनकार कर दिया। दुल्हन को दूल्हे का रंग पसंद नहीं था। अपने होने वाले जीवनसाथी का काला रंग देखकर दुल्हन भड़क गई थी। जयमाल की रस्म हो चुकी थी। अब सात फेरे होने बाकी थे, तभी अचानक शादी न करने की खबर सुनकर दोनों पक्षों में हड़कंप मच गया। फिर क्या था दुल्हन को मनाने का दौर शुरू हुआ, लेकिन दुल्हन मानने वाली नहीं थी। दुल्हन ने लड़के वालों को एक अटपटा सा जवाब भी दिया। दुल्हन ने कहा, न लहंगा लाए और न लाए हार, फिर हमारी चौखट पर क्यों लाए बारात। दुल्हन का जवाब सुनकर दूल्हा समेत सभी बाराती सनन रह गए। हालांकि दुल्हन की मांग पूरा करने के लिए लड़के वाले राजी भी हो गए, लेकिन इसके बाद दूल्हा काला होने की बात कहते हुए दुल्हन ने शादी के लिए हामी नहीं भरी और बारात को वापस लौटा दिया।

इससे पहले दोनों पक्ष सेंथल चौकी गए जहां पुलिस को दोनों पक्षों ने रिश्ता खत्म करने की बात लिखकर दे दी।

मामला बरेली जिले के भोजीपुरा थाना क्षेत्र का है। यहां एक गांव का युवक जो कि इंटरमीडिएट पास है अब वह आईटीआई कर रहा है। परिजनों ने उसका विवाह हाफिजगंज थाना क्षेत्र के एक गांव की इंटरमीडिएट पास युवती से तय किया था। गुरुवार को वह बारात लेकर दुल्हन के घर पहुंचा। दुल्हन पक्ष के लोगों ने बारातियों की खूब खातिरदारी की। बारातियों को नाश्ता और भोजन कराने के बाद धूम धाम से बारात चढ़ी और जयमाला की रस्म पूरी की गई। लोगों ने डीजे पर भी जमकर डांस किया। जयमाला की रस्म के बाद फेरों की बारी आयी तो मंडप में पहुंचने से पहले ही दुल्हन ने दूल्हा काला बताते हुए शादी से इंकार कर दिया। दुल्हन की बात सुन कर वहां हंगामा मच गया। लोगों ने उसे काफी समझाया लेकिन वह उसके साथ फेरे लेने को राजी नहीं हुई।

धर्मांतरण पर शिकंजा : गिरोह के तीन सदस्यों को एटीएस ने नागपुर से किया गिरफ्तार

लखनऊ (एजेंसी)। अवैध धर्मांतरण गिरोह के महाराष्ट्र नेटवर्क से जुड़े तीन सदस्यों प्रकाश कांवड़े उर्फ एडम, कौशर आलम तथा भुप्रिय बंदो उर्फ अर्सलान मुस्तफा को गिरफ्तार कर लिया गया है। प्रदेश पुलिस के आतंकवाद निरोधक दस्ते (एटीएस) ने शुक्रवार को देर रात्रि तीनों को नागपुर से दबोचा। उन्हें सड़क मार्ग से लखनऊ लाया जा रहा है।

एडीजी कानून-व्यवस्था प्रशांत कुमार ने बताया कि तीनों गैंग के सरगना उमर गौतम के संपर्क में थे और महाराष्ट्र में धर्मांतरण कराने में सक्रिय थे। महाराष्ट्र में गिरोह की कमान नागपुर निवासी प्रकाश कांवड़े के हाथ में थी। प्रकाश की पतनी माई हसन अली इजिप्ट की नागरिक है। वह उमर गौतम के लगातार संपर्क में रहकर महाराष्ट्र में धर्मांतरण की गतिविधियां संचालित कर रहा था। उसका इजिप्ट के अलावा मध्य एशिया के देशों समेत अन्य मुस्लिम देशों से संपर्क है। गिरफ्तार दूसरा अभियुक्त कौशर आलम मूल रूप से लोहिया बाग धनबाद (झारखंड) का निवासी है और उसका बीज का व्यापार है जो कई राज्यों में फैला हुआ है।

उमर गौतम से कौशर आलम के पुराने संबंध हैं। वह व्यापार की आड़ में महाराष्ट्र व कर्नाटक आदि राज्यों में धर्मांतरण को प्रोत्साहन देने के षड्यंत्र में शामिल है। वह वर्ष 2018 से प्रकाश कांवड़े और भुप्रिय बंदो के साथ उमर गौतम द्वारा एनसीआर क्षेत्र में आयोजित होने वाले 'रिवर्ट गेट टूगेदर' के वार्षिक कार्यक्रम में भाग लेता रहा है।

तीसरा गिरफ्तार अभियुक्त भूप्रिय बंदो उर्फ अर्सलान महाराष्ट्र के गढ़ चिरौली जिले के चामोसी का रहने वाला है। उसका संबंध प्रकाश कांवड़े व विपुल विजयवर्गीय समेत नेटवर्क के अन्य सदस्यों से है। अर्सलान द्वारा उमर के महाराष्ट्र नेववर्किंग नेटवर्क की फंडिग का काम संभाला जाता था।

एटीएस ने इस मामले में उमर गौतम, मुफ्ती जहांगीर आलम, सलाहुद्दीन शेख, इरफान शेख, राहुल भोला और मनन्‌ यादव उर्फ अब्दुल मननन को पहले ही गिरफ्तार किया था। सभी इस समय जेल में हैं। उमर गौतम अपने सहयोगियों की मदद से मूक बधिर एवं आर्थिक रूप से कमजोर व्यक्तियों को विभिनन्प्रलोभन देकर अवैध धर्मांतरण रैकेट चला रहा था। एटीएस के अनुसार अपनी इस अवैध गतिविधि के लिए वह देश-विदेश से फंडिग प्राप्त कर रहा था। जांच में पता चला कि उमर व उसके साथियों ने चैरिटी के नाम पर हवाला व अन्य माध्यमों से अर्जित धन का प्रयोग धर्म परिवर्तन एवं व्यक्तिगत कार्यों में किया। आईजी एटीएस डॉ. जीके गोस्वामी ने बताया कि शनिवार को तीनों को अदालत में पेश किया गया।

श्रीलंका के खिलाफ पहले वनडे में शिखर धवन तोड़ सकते हैं गांगुली का रिकॉर्ड

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय टीम 18 जुलाई को श्रीलंका के खिलाफ वनडे सीरीज का पहला मुकाबला खेलेगी। इस युवा टीम की कमान शिखर धवन के हाथों में होगी। इस सीरीज में उनकी कप्तानी की भी परीक्षा होगी। उन्हें विराट कोहली और रोहित शर्मा जैसे स्टार खिलाड़ियों की गैरमौजूदगी में टीम का कप्तान बनाया गया है। ये दोनों खिलाड़ी टेस्ट सीरीज के लिए इंग्लैंड दौरे पर हैं। इस सीरीज में धवन जीत से अपनी कप्तानी की शुरुआत करना चाहेंगे। इसके साथ ही धवन बल्ले के साथ भी अच्छा प्रदर्शन करके सलामी बल्लेबाज के रूप में अपनी मजबूत दावेदारी पेश करना चाहेंगे। इस सीरीज में अगर गब्बर का बल्ला बोला तो कई रिकॉर्ड उनके नाम हो सकते हैं।

सलामी बल्लेबाज शिखर के वनडे मैचों में 5977 रन हैं। अगर पहले मैच में वे 23 रन और बना लेते हैं तो उनके वनडे मैचों में 6000 रन पूरे हो जाएंगे। अगर ऐसा हुआ

तो धवन ऐसा करने वाले 10 वें भारतीय बल्लेबाज बन जाएंगे। अगर धवन ऐसा कर पाते हैं तो वे 6000 वनडे रन बनाने वाले दूसरे सबसे तेज भारतीय बन जाएंगे।

वनडे में यह आंकड़ा छूने वाले सबसे तेज बल्लेबाज विराट कोहली हैं।, जिन्होंने 136 पारियों में ये कारनामा किया है। इस रिकॉर्ड को बनाने के बाद धवन पूर्व कप्तान सौरव गांगुली से आगे निकल जाएंगे। दादा को 6000 रन बनाने में 147 पारियां लगीं थी, मगर धवन 140 वीं पारी में ही 6000 रनों के आंकड़े को छू सकते हैं। यदि वे ऐसा कर पाते हैं तो वे दुनिया के चौथे सबसे तेज बल्लेबाज बन जाएंगे जिन्होंने 6000 रन का आंकड़ा पार किया है। उनसे पहले दक्षिण अफ्रीका के हाशिम अमला (123 पारियां), विराट कोहली (136 पारियां) और कीवी कप्तान केन विलियम्सन (139 पारियां) ने ये कारनामा कर दिखाया है।

श्रीलंका के खिलाफ वनडे मैच से पहले शिखर धवन ने इंस्टाग्राम पर फोटो शेयर कर लिखा, 'गब्बर और उसके शेर',

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और श्रीलंका के बीच वनडे सीरीज का पहला मुकाबला 18 जुलाई को खेला जाएगा। इस दौरे में शिखर धवन को भारतीय टीम की कमान सौंपी गई है। धवन अपनी नई जिम्मेदारी को लेकर काफी उत्साहित हैं। रविवार को श्रीलंका के खिलाफ होने वाले पहले वनडे मैच से पहले शिखर धवन ने इंस्टाग्राम पर एक तस्वीर शेयर की है। धवन की इस तस्वीर को खूब पसंद किया जा रहा है। शिखर धवन ने इंस्टाग्राम पर जो तस्वीर शेयर की है। उस तस्वीर में उनके साथ पृथ्वी शॉ, युजवेंद्र चहल, इशान किशन और कुलदीप यादव नजर आ रहे हैं। उन्होंने तस्वीर को शेयर करते हुए कैप्शन लिखा कि गब्बर के शेर। लड़के उत्साहित हैं कुछ करने के लिए। काफी समय बाद युजवेंद्र चहल और कुलदीप यादव एक साथ गेंदबाजी कर सकते हैं। आईपीएल में पृथ्वी शॉ का प्रदर्शन शानदार रहा था। उन पर भी सबकी नजरें रहेंगी।

रोहित शर्मा ने मजेदार कैप्शन के साथ शेयर की ट्रेनिंग की तस्वीरें, फैन्स बोले- ट्रॉफी वापस लाओ

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंग्लैंड में वर्ल्ड टेस्ट चैम्पियनशिप के फाइनल मैच के बाद बीसीसीआई की तरफ से भारतीय खिलाड़ियों को तीन हफ्ते का ब्रेक मिला था। इस दौरान सभी खिलाड़ी लंदन और इसके आस-पास के शहरों में घूमते और मस्ती करते नजर आए थे। छुट्टियों के बाद टीम इंडिया के खिलाड़ी एक बार फिर बायो-बबल में शामिल हो गए हैं। 16 जुलाई को टीम इंडिया ने कप्तान विराट कोहली के अगुवाई में ट्रेनिंग सेशन में हिस्सा लिया था। ट्रेनिंग करते हुए लिमिटेड ओवर सीरीज में टीम के उप-कप्तान रोहित शर्मा ने कुछ तस्वीरें शेयर की हैं, जिसे फैन्स काफी पसंद कर रहे हैं। दरअसल रोहित ने जो फोटो शेयर की है, उसमें वे ट्रेनिंग के दौरान रस्सी को खींचते नजर आ रहे हैं। इस फोटो को रोहित ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर शेयर किया है। इसके कैप्शन में रोहित लिखते हैं कि, 'चलो भाई, छुट्टी खत्म...अब काम शुरू।' फैन्स को यहां रोहित का हिन्दी में कैप्शन में लिखना काफी पसंद आया। उनके इस पोस्ट पर एक फैन ने लिखा कि, 'हां भाई, छुट्टी खत्म और 200

जड़ दो अब फिर एक बार।'

विराट कोहली की अगुवाई में टीम इंडिया को 4 अगस्त से इंग्लैंड के खिलाफ पांच टेस्ट मैचों की सीरीज खेलनी है। इसी के साथ भारत का वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप का दूसरा चरण शुरू हो जाएगा। भारत पिछले इंग्लैंड दौरे पर 1-4 से सीरीज हार गया था। कप्तान कोहली ने उस दौरे पर 10 पारियों में 593 रन बनाए थे, लेकिन वे भारत को सीरीज जिताने में असफल रहे थे। भारत इस रिकॉर्ड को सुधारना चाहेगा और 2007 के कारनामे को दोहराना चाहेगा, जब भारत ने राहुल द्रविड़ की कप्तानी में इंग्लैंड में टेस्ट सीरीज पर कब्जा जमाया था।

श्रीलंका के कप्तान दासुन शनाका का दावा, दोनों टीमों के बीच होगा बराबरी का मुकाबला

नई दिल्ली (एजेंसी)। श्रीलंका के नए कप्तान दासुन शनाका ने तीन मैचों की वनडे सीरीज से पहले अपनी टीम की तैयारियों को लेकर बयान दिया है। शनिवार को शनाका ने कहा कि संघर्ष कर रही उनकी टीम और जीत की दावेदार भारत के बीच बराबरी का मुकाबला होगा क्योंकि मेहमान टीम में कई नए खिलाड़ी हैं। युवा खिलाड़ियों के साथ श्रीलंका दौरे पर आई भारतीय टीम में छह नए खिलाड़ी शामिल हैं। शनाका ने भारत के खिलाफ रविवार को खेले

जाने वाले पहले वनडे मैच से पहले कहा, 'सीरीज से पहले दोनों टीमें एक जैसी मजबूत हैं। भारतीय टीम में कई नए खिलाड़ी है। हम सभी जानते हैं कि उन्होंने आईपीएल खेला है लेकिन उन्हें इंटरनेशनल क्रिकेट का अनुभव नहीं है। ऐसे में दोनों टीमों के पास मौके हैं। शनाका पिछले चार साल में श्रीलंका क्रिकेट टीम की अगुवाई करने वाले 10वें कप्तान हैं। भारत के खिलाफ 18 जुलाई से शुरू हो रही लिमिटेड ओवरों की सीरीज (तीन वनडे और तीन टी20 इंटरनेशनल के लिए श्रीलंका ने शुक्रवार को 23 सदस्यीय टीम की घोषणा की थी। विराट कोहली की अगुवाई वाली भारत की मुख्य टीम इंग्लैंड दौरे पर है ऐसे में श्रीलंका आई टीम की कमान अनुभवी सलामी बल्लेबाज शिखर धवन को सौंपी गई है।शनाका ने कहा कि श्रीलंका के द्वारा टीम की घोषणा में देरी करने से फायदा होगा। उन्होंने कहा, 'हां, इससे हमें थोड़ा फायदा होगा, क्योंकि उन्होंने (भारत) इन खिलाड़ियों को इंटरनेशनल क्रिकेट में नहीं देखा है। मुझे लगता है कि उन्हें इन नए खिलाड़ियों के लिए भी अच्छी तैयारी करनी होगी।

टीम बेशक हारी, लेकिन जिम्बाब्वे के गेंदबाज के अनोखे सेलिब्रेशन ने लूटी महफिल

नई दिल्ली (एजेंसी)। बांग्लादेश के खिलाफ एकमात्र टेस्ट गंवाने के बाद जिम्बाब्वे को वनडे सीरीज के पहले मैच में भी हार का मुंह देखना पड़ा। इस मैच को बांग्लादेश की झोली में डालने में सलामी बल्लेबाज लिटन दास ने अहम भूमिका और शानदार शतक जड़ा। बांग्लादेश ने लिटन के 114 गेंदों पर आठ चौकों की मदद से बने 102 रनों की बदौलत 50 ओवर में नौ विकेट पर 276 रन बनाए। इसके जवाब में जिम्बाब्वे की टीम 28.5 ओवर में मात्र 121 रन पर सिमट गई। लिटन ने बेशक शतक जड़कर सबकी तारीफें पाई हों, लेकिन जिम्बाब्वे के तेज गेंदबाज रिचर्ड नगारवा के अनोखे सेलिब्रेशन पर सबकी निगाहें टिक गईं।

नगारवा ने जैसे ही बांग्लादेशी पारी के दौरान बल्लेबाज मोसदेक हुसैन का विकेट चटकाया, वैसे ही वे अपने एक पैर का जूता निकालकर कॉल करने लग गए। इस दौरान उन्होंने जूते पर नंबर भी डायल किया। जैसे ही उन्होंने विकेट चटकाने का जश्न मनाया, वैसे ही इस वीडियो को सोशल मीडिया पर वायरल होने में जरा सा भी समय नहीं लगा। मैच में नगारवा ने अपने कोटे के 10 ओवरों में 61 रन देकर दो बड़े विकेट हासिल किए। उन्होंने शानदार शतक जड़ने वाले लिटन दास को भी पवेलियन भेजा।

मैच में लिटन के अलावा अनुभवी ऑलराउंडर शाकिब अल हसन ने घातक गेंदबाजी करते हुए 30 रन देकर पांच विकेट झटके। इस मैच में जीत दर्ज करते ही बांग्लादेश ने तीन मैचों की वनडे सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली है। जिम्बाब्वे के कप्तान ब्रेंडन टेलर का यह 200वां मैच था, लेकिन इस मैच में उन्हें करारी हार का सामना करना पड़ा। जिम्बाब्वे के लिए विकेटकीपर रेजिस चकाब्वा ने सबसे ज्यादा 54 रन बनाए। जिम्बाब्वे ने अपने आखिरी पांच विकेट मात्र 16 रन जोड़कर गंवा दिए। लिटन को उनके शतक के लिए प्लेयर ऑफ द मैच का पुरस्कार मिला।

जब श्रीलंकाई स्पिनर सूरज रणदीव ने क्रिकेट को किया शर्मशार, फैन्स ने जमकर लगाई थी क्लास

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और श्रीलंका की क्रिकेट टीमों का इतिहास पुराना रहा है। दोनों टीमों के बीच कई ऐसे मैच हुए हैं जब दोनों टीमों की तरफ से उच्चस्तरीय क्रिकेट देखने को मिली। वो बात अलग है कि अब श्रीलंका क्रिकेट उस स्तर की नहीं रही जैसी वो कभी हुआ करती थी। इन दोनों टीमों के बीच हुई कई यादगार मैच हुए हैं, उन्हीं में से एक मैच ऐसा भी था जिसने खेल भावना पर सवाल खड़े किए थे। यह मैच 2010 में त्रिकोणीय सीरीज के दौरान खेली गई। श्रीलंका की पहली पारी 170 रनों पर सिमट गई थी। जवाब में भारत लक्ष्य की तरफ बढ़ रहा था, और 171 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए 170 बना लिए थे। जीत के लिए मात्र 1 रन की जरूरत थी, भारत के वीरेंद्र सहवाग 99 पर बल्लेबाजी कर रहे थे। श्रीलंकाई स्पिनर सूरज रणदीव ने जानबूझकर

नो-बॉल डाल दी। सहवाग ने उस गेंद पर जोरदार छक्का लगाया और जश्न मनाने लगे, तभी अंपायर ने नो-बॉल का इशारा किया। सहवाग को बताया गया कि वो सिक्स उनकी पारी में नहीं जोड़ा गया और सहवाग 99 रन पर ही नाबाद रह गए, लेकिन भारत मैच जीत गया। जब बिग स्क्रीन पर उस नो-बॉल का रीप्ले दिखाया गया तो यह साफ दिख रहा था कि सूरज ने जानबूझकर वो बॉल डाली है, क्योंकि उनका पैर लाइन से बहुत आगे था।

पोस्ट मैच प्रेजेंटेशन में सहवाग सूरज पर जमकर बरसे थे। उन्हें कहा था, 'हां, वो जानबूझकर किया गया था, क्योंकि वो क्रीज से बहुत आगे थे। उन्होंने टेस्ट करियर में अभी तक एक भी नो-बॉल नहीं डाली है, ना ही वनडे में। आज उन्होंने नो-बॉल क्यों डाली? और कोई छोटा नहीं बल्कि कम से कम एक फुट का अन्तर था।'उन्होंने श्रीलंका के उस समय के कप्तान कुमार संगकारा पर आरोप लगाया था कि वे भी इसमें शामिल थे। उन्होंने आगे कहा था, 'मैं विपक्षी टीम का कप्तान नहीं हूं, इसलिए मैं नहीं कह सकता हूं लेकिन कप्तान या सीनियर खिलाड़ियों द्वारा जरूर कुछ कहा गया होगा। यह पहले भी हो चुका है, जब सचिन तेंदुलकर कटक में 99 पर बल्लेबाजी कर रहे थे (96 पर थे तेंदुलकर), उन्होंने लेग साइड में चार वाइड फेंके। ऐसा नहीं है कि श्रीलंकाई टीम ने ऐसा पहली बार किया है, ये दूसरी टीमों के साथ भी ऐसा करते होंगे लेकिन भारत के साथ दूसरी बार ऐसा हुआ है।'

पूर्व कोच डब्लूवी रमन ने बताया, श्रीलंका के खिलाफ शिखर धवन के साथ किसको करना चाहिए पारी का आगाज

मुंबई (एजेंसी)। भारत के पूर्व बल्लेबाज और कोच डब्लूवी रमन ने कहा कि पृथ्वी शॉ को श्रीलंका के खिलाफ आगामी लिमिटेड ओवरों की सीरीज में कप्तान शिखर धवन के साथ पारी का आगाज कराना चाहिए, क्योंकि मुंबई के इस युवा खिलाड़ी को वापसी में सफलता के लिए काफी मौके दिए जाने की जरूरत है।

शॉ को एडिलेड में पहले टेस्ट में अच्छा प्रदर्शन नहीं करने की वजह से टीम से बाहर कर दिया गया था, लेकिन फिर उन्होंने घरेलू वनडे टूर्नामेंट में काफी रन जुटाए और नेशनल टीम में वापसी की।रमन ने शुक्रवार को पीटीआई से कहा, 'मुझे लगता है कि आप निश्चित रूप से शिखर (धवन) को पारी का आगाज करते देखोगे, क्योंकि पहली चीज तो वह कप्तान हैं और दूसरा आप शायद पृथ्वी शॉ को उनके साथ देख सकते हो, क्योंकि वह देश के लिए पहले भी खेल चुका है और उसने अच्छा किया है।' उन्होंने कहा, 'आपको उसे फॉर्म में वापसी करने के लिए जितने ज्यादा हो सके मौके देने की कोशिश करनी होगी, क्योंकि वह युवा है और उसमें काफी प्रतिभा है।'रमन नेशनल ट्रेवट अकादमी (एनसीए) से जुड़े हुए

थे और उन्होंने जूनियर क्रिकेटरों को प्रगति करते हुए देखा है, जिसके बाद उन्हें महिला टीम का हेड कोच नियुक्त कर दिया गया, जिस पद से उन्होंने हाल में हटने का फैसला किया था। भारतीय टीम में धवन और शॉ के अलावा अन्य सलामी बल्लेबाज जैसे देवदत्त पडिक्कल, रुतुराज गायकवाड़ है, लेकिन रमन को लगता है कि भारत के लिए पहले भी खेलना शॉ के पक्ष में रहेगा। रमन ने कहा, 'हां, आपके पास काफी प्रतिभावान (देवदत्त) पडिक्कल है और बाकी है, लेकिन नेशनल क्रिकेट का अनुभव होने के कारण मुझे लगता है कि पृथ्वी शॉ को अन्य पर तरजीह मिलेगी, क्योंकि हमेशा ही ऐसा होता रहा है

वसीम जाफर ने बताया, श्रीलंका के खिलाफ सीरीज में टीम इंडिया क्यों है फेवरेट

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के पूर्व क्रिकेटर वसीम जाफर ने शनिवार को भविष्यवाणी कि टीम इंडिया अपने कुछ प्रमुख खिलाड़ियों की गैरमौजूदगी के बावजूद श्रीलंका के साथ खेली जाने वाली वनडे और टी20 सीरीज में जीतने की प्रबल दावेदार है। भारत और श्रीलंका के बीच 3 मैचों की वनडे सीरीज का पहला मैच रविवार को कोलंबो के प्रेमदासा स्टेडियम में खेला जाएगा। इस सीरीज में टीम इंडिया की कमान शिखर धवन संभालेंगे क्योंकि टीम इंडिया के रेगुलर कप्तान विराट कोहली समेत कई खिलाड़ी इस समय इंग्लैंड दौरे में हैं। श्रीलंका दौरे में भारतीय टीम में 6 अनकैप्ड खिलाड़ी हैं।

अपने यूट्यूब चैनल पर अपलोड किए गए एक वीडियो में जाफर ने कहा,'भले ही यह

भारतीय टीम की दूसरी पंक्ति की टीम है और काफी सारे मुख्य खिलाड़ी इसमें नहीं हैं। फिर भी मैं यह कहना चाहूंगा कि भारतीय टीम ही दोनों वनडे और टी20 ट्रॉफी के जीतने के लिए फेवरेट है। खुशकिस्मत हैं कि हमें कुछ काफी अच्छे टैलेंट और प्रतिभावान खिलाड़ी मिले हैं। मैं तो कहना चाहूंगा कि भारतीय टीम दोनों सीरीज को जीतने के लिए फेवरेट है। इस बात में कोई शक ही नहीं यह एक बहुत ही मजबूत टीम है। इस टीम के कई खिलाड़ी जैसे शिखर धवन, हार्दिक पांड्या, भुवनेश्वर कुमार और युजवेंद्र चहल वनडे टीम का नियमित हिस्सा हैं।'उन्होंने आगे कहा कि कई रोमांचक खिलाड़ी चुने गए हैं। पृथ्वी शॉ वापस आ गए हैं। देवदत्त एक और शानदार टैलेंट हैं, ऋतुराज गायकवाड़ को मौका मिला है। वरुण चक्रवती इस टीम में हैं और संजू सैमसन ने भी वापसी की है। मैं इन लोगों को देखना चाहूंगा, खासकर तब जब टी20 वर्ल्ड कप नजदीक है। इन युवा प्रतिभाओं को प्रदर्शन करते हुए देखने का यह एक शानदार अवसर है। राहुल द्रविड़ के बारे में जाफर ने कहा कि उनके कोच के तौर पर साथ होने से टीम के खिलाड़ियों को काफी कुछ सीखने का मौका मिलेगा। यह सिर्फ क्रिकेट तक नहीं होगा बल्कि वो सभी कुछ जो भी एक क्रिकेटर को अपनी यात्रा के दौरान जरूरी होता है। सभी युवा खिलाड़ियों के लिए राहुल द्रविड़ सही मेंटर होंगे।'

ओलंपिक के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे लोगों को टोक्यो में पुलिस ने खदेड़ा

नई दिल्ली (एजेंसी)। ओलंपिक खेल शुरू होने में अब जबकि एक सप्ताह से भी

कम समय बचा है तब शनिवार को लगभग दो दर्जन प्रदर्शनकारियों ने इन खेलों के खिलाफ यहां विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारी ओलंपिक रद्द करने के नारे लगा रहे थे और वे इस संबंध में इंटरनेशनल ओलंपिक कमेटी (आईओसी) के अध्यक्ष थामस बाक को आवेदन सौंपना चाहते थे। प्रदर्शनकारी वहां जाना चाह रहे थे जहां आयोजकों के कार्यकारी बोर्ड की बैठक चल रही थी।

पुलिस ने कार्यक्रम स्थल से 20 मीटर पहले प्रदर्शनकारियों को रोक दिया। इस बीच उनकी पुलिसकमिर्यों के साथ हाथापाई भी हुई। टोक्यो ओलंपिक खेलों का आयोजन एक साल बाद दर्शकों के बिना होगा। विदेशी दर्शकों पर कई महीने पहले ही बैन लगा दिया गया था जबकि तोक्यो और तीन अन्य पड़ोसी प्रांतों ने भी स्थानीय दर्शकों को बैन कर दिया था।

दक्षिण कोरिया ने आईओसी के नियम के बाद ओलंपिक गांव से हटाए बैनर

सोल (एजेंसी)। दक्षिण कोरिया की ओलंपिक समिति ने शनिवार को कहा कि उसने टोक्यो में ओलंपिक खेल गांव में लगे बैनर हटा दिए हैं, जिसमें कोरिया और जापान के बीच 16वीं शताब्दी में हुए युद्ध का जिक्र किया गया था। इंटरनेशनल ओलंपिक समिति (आईओसी) ने इन बैनर को उकसाने वाला करार किया था। दक्षिण कोरिया की ओलंपिक समिति ने आईओसी से यह वादा मिलने के बाद बैनर हटाने का फैसला किया कि स्टेडियम और ओलंपिक के अन्य स्थलों पर जापान के उगते सूरज के झंडे पर भी प्रतिबंध लगाया जाएगा। दक्षिण कोरिया के खिलाड़ियों के कमरों की बालकनी में ये बैनर लगे थे, जिनका जापान के कुछ लोगों ने विरोध किया था।

टोक्यो ओलंपिक खेलों के लिए खेल गांव पहुंचे भारतीय निशानेबाज

टोक्यो (एजेंसी)। भारत का 15 सदस्यीय निशानेबाजी दल 23 जुलाई से टोक्यो में शुरू होने वाले ओलंपिक खेलों के लिए सहयोगी स्टाफ के साथ शनिवार को खेल गांव पहुंचा। भारतीय निशानेबाजी टीम मई के शुरू से ही प्रैक्टिस और प्रतियोगिताओं के लिए क्रोएशिया में थी और वह जगरेब से सीधे टोक्यो पहुंची है। भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) के अध्यक्ष नरिंदर बत्रा ने निशानेबाजों के टोक्यो पहुंचने की पुष्टि की। भारत के अधिकतर खिलाड़ी शनिवार की रात को यहां से विशेष विमान से टोक्यो के लिए रवाना होंगे।

भारतीय निशानेबाजों को पदक का प्रबल दावेदार माना जा रहा

है। वे तैयारियों के सिलसिले में 11 मई को जगरेब रवाना हो गए थे। उन्होंने हालांकि हाल में ओसिएक में समाप्त हुए आईएसएसएफ वर्ल्ड कप में अनुकूल प्रदर्शन नहीं किया। भारतीय टीम ने एक गोल्ड, एक रजत और दो कांस्य पदक जीते और वह 10वें स्थान पर रही थी।

बीएफआई ने बताया, कब से होगी घरेलू बॉक्सिंग टूर्नामेंट्स की शुरुआत

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय मुक्केबाजी महासंघ (बीएफआई) ने शनिवार को घोषणा की कि नेशनल युवा एवं जूनियर बॉक्सिंग चैंपियनशिप से घरेलू टूर्नामेंटों की एक साल से भी अधिक समय बाद बहाली होगी। पुरुष और महिला वर्गों में युवा नेशनल चैंपियनशिप 18 से 23 जुलाई के बीच जबकि लड़कों और लड़कियों की जूनियर नेशनल चैंपियनशिप 26 से 31 जुलाई के बीच आयोजित की जाएगी। ये दोनों प्रतियोगिताएं सोनीपत में होंगी। इन टूर्नामेंट के आधार पर ही आगामी एएसबीसी युवा एवं जूनियर बॉक्सिंग चैंपियनशिप के लिये टीम का चयन किया जाएगा। इन प्रतियोगिताओं में 34 राज्य और केंद्र शासित प्रदेशों के भाग लेने की संभावना है।

2022 तक भारत की सीमा पर नहीं बचेंगे एक भी गैप, की जाएगी पूरी फेंसिंगः अमित शाह

नई दिल्ली (एजेंसी)। गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार को कहा कि व्यापक सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए 2022 तक भारत की सीमा के सभी गैप को कवर किया जाएगा। उन्होंने कहा कि नरेंद्र मोदी सरकार के सत्ता में आने से पहले, भारत में राष्ट्रीय सुरक्षा नीति का अभाव था, जिसका उद्देश्य अब दुश्मन को उसी सिक्के में वापस भुगतान करना है। अमित शाह ने कहा, ङ्ककोई भी बाड़ में अंतराल नहीं छोड़ना चाहता। लेकिन अगर 200 किमी लंबी बाड़ पर आप 1.5 किमी का अंतर छोड़ दें, तो बाड़ का पूरा खंड बेकार हो जाता है। हमने प्रशासनिक स्तर पर बाधाओं को दूर करके और यहां तक कि पड़ोसी देशों से बात करके इन कमियों को भरने का काम किया है। सभी कठिनाइयों को पार करते हुए, मैं

आपको विश्वास दिलाता हूं कि 2022 से पहले, हमारी बाड़ में कोई कमी नहीं बचेगी।

अमित शाह विज्ञान भवन में बीएसएफ द्वारा आयोजित अलंकरण समारोह में रुस्तमजी स्मृति व्याख्यान दे रहे थे। शाह ने कहा कि राजनीति में आने से पहले भी वह हमेशा सीमा सुरक्षा के बारे में सोचते थे। गृह मंत्री ने कहा, ङ्कमैं हमेशा सोचता था कि क्या इस सरकार की कोई राष्ट्रीय सुरक्षा नीति है। जब तक नरेंद्र मोदी पीएम नहीं बने, तब तक हमारे पास एक स्वतंत्र राष्ट्रीय सुरक्षा नीति नहीं थी। यह विदेश नीति से प्रभावित था। जब नरेंद्र मोदी सरकार आई तो हमने कहा कि हम सबके साथ शांति चाहते हैं लेकिन अगर कोई हमारी सीमाओं या हमारी संप्रभुता के साथ खिलवाड़ करता है तो राष्ट्रीय सुरक्षा नीति की प्राथमिकता यह है कि उसका उसी भाषा में जवाब दिया जाए। उदाहरण नहीं देना चाहता था क्योंकि हर कोई जानता था कि किस बारे में बात कर रहा हूं।

जम्मू में हाल के ड्रोन हमलों की पृष्ठभूमि में, अमित शाह ने कहा, ठड्रोन खतरों के खिलाफ हमारा मिशन आज बहुत महत्वपूर्ण हो गया है। ऊँअध् और अन्य एजेंसियां पहले से ही ड्रोन के खिलाफ पर्याप्त रक्षा प्रणालियों के साथ आने के लिए काम कर रही हैं। बहुत जल्द हम स्वदेशी रक्षा प्रणालियों के साथ अपनी सीमाओं की रक्षा करेंगे। बीएसएफ के डीजी राकेश अस्थाना ने कहा कि पिछले एक साल में बीएसएफ ने सीमा पार से आने वाले 61 ड्रोन को देखा और चार सुरंगों का पता लगाया। उन्होंने कहा कि बल ने 22 घुसपैठियों को मार गिराया, 632 किलोग्राम ड्रग्स पकड़ा और पश्चिमी सीमा पर हथियार बरामद किए। शाह ने भविष्य की चुनौतियों के प्रति बलों को आगाह किया। उन्होंने कहा, ङ्कहमें इस चुनौती को स्वीकार करना होगा कि सीमा पार से आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और रोबोटिक्स का इस्तेमाल (बलों द्वारा) किया जाएगा। हम पहले से ही ड्रोन पर अनुसंधान और विकास पर जोर दे रहे हैं। लेकिन हमें लंबी अवधि में इन चुनौतियों पर भी ध्यान देने की जरूरत है।

खास समुदाय को निशाना बनाने के लिए बीजेपी उठा रही है जनसंख्या का मुद्दाः शशि थरूर

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) शासित कुछ राज्यों में जनसंख्या नियंत्रण के लिए बनाई जा रही नीतियों को कांग्रेस नेता शशि थरूर ने एक 'खास समुदाय' को निशाना बनाने की कोशिश बताया है। उन्होंने यह भी कहा कि बीजेपी राजनीतिक लाभ के लिए इस मुद्दे को उठा रही है। पूर्व केंद्रीय मंत्री ने कहा कि अगले 20 साल में भारत के लिए बड़ी चुनौती बुजुर्ग होती आबादी होगी, जनसंख्या वृद्धि नहीं।

तिरुवनंतपुरम के लोकसभा सांसद ने कहा, ''यह संयोग नहीं है कि जिन तीन राज्यों की सरकारें जनसंख्या घटाने की बात कर रही हैं, वे हैं यूपी, असम और लक्ष्यद्वीप, जहां सभी जानते हैं कि वहां उनके अपेक्षित दर्शक कौन हैं।'' यूपी और असम में आबादी नियंत्रण मुहिम को लेकर पूछे गए सवाल के जवाब में थरूर ने कहा, ''हिंदुत्ववादी ताकतों ने वास्तव में जनसांख्यिकीय विषय में नहीं पढ़ा है। उनकी नीयत शुद्ध राजनीतिक और सांप्रदायिक है।

थरूर ने यह बातें ऐसे समय पर कही हैं जब उत्तर प्रदेश ने जनसंख्या नियंत्रण ड्राफ्ट को सार्वजनिक किया है और असम सरकार भी इस दिशा में काम शुरू कर चुकी है। दोनों ही प्रदेशों में बीजेपी की सरकार है। यूपी के ड्राफ्ट बिल में कहा गया है कि दो से अधिक बच्चों वाले लोगों को कई सरकारी योजनाओं के लाभ से वंचित किया जाएगा तो दो जनसंख्या नीति का पालन करने वाले लोगों को प्रोत्साहन दिया जाएगा।

मॉनसून सत्र को हंगामे की 'बौछारों और गरज' से बचाने की बनी रणनीति, सभापति ने बुलाई थी बैठक

नई दिल्ली (एजेंसी)। आगामी मॉनसून सत्र को लेकर तैयारियां तेज हो गई हैं। 19 जुलाई से शुरू होने वाले सत्र के लिए शनिवार को राज्यसभा के सभापति और उप राष्ट्रपति वेंकैया नायडू ने फ्लोर लीडर्स की बैठक बुलाई। इस बैठक में हिस्सा लेने के लिए रक्षामंत्री राजनाथ सिंह समेत कई अन्य मंत्री पहुंचे। इस दौरान आगामी सत्र के लिए रणनीति पर चर्चा की गई। गौरतलब है कि इस बात की पूरी संभावना है कि संसद का आगामी सत्र काफी हंगामेदार होगा।

इस बीच विपक्ष की तरफ से भी आगामी मॉनसून सत्र को लेकर तैयारियां चल रही हैं। राज्यसभा में विपक्ष के नेता, मल्लिकार्जुन खड़गे ने भी इस पर बयान जारी किया। उन्होंने कहा कि रक्षामंत्री ने क्या चर्चा की, इसकी जानकारी अभी उन्हें नहीं है। उन्होंने कहा कि जल्द ही उन्हें डिटेल मिल जाएगी। खड़गे ने कहा कि इस सत्र के दौरान कांग्रेस नेता राहुल गांधी चीन सीमा के साथ-साथ कई मुद्दे उठाने वाले हैं। इसके साथ-साथ कोरोना वैक्सीन को लेकर भी काफी बयानबाजी हुई है। इस बात के आसार हैं कि विपक्षी इस मामले को भी वहां उठा सकते हैं।

उद्धव ठाकरे और कांग्रेस नेताओं को बता दिया था...पीएम मोदी से शरद पवार की मुलाकात पर एनसीपी ने दी सफाई

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) चीफ की मुलाकात के बाद अटकलों का बाजार इस तरह गर्म हो गया कि महाराष्ट्र में महाविकास अघाड़ी के साथ सरकार चला रही पार्टी को सफाई देनी पड़ी है। एनसीपी नेता नवाब मलिक ने बताया है कि पवार की पीएम के साथ मुलाकात का एजेंडा क्या था। पीयूष गोयल और राजनाथ से मुलाकातों का भी ब्योरा देते हुए नवाब मलिक ने कहा है कि पवार ने उद्धव ठाकरे और कांग्रेस नेताओं को पहले ही इसके बारे में जानकारी दे दी थी।

नवाब मलिक ने कहा, ''एनसीपी चीफ शरद पवार ने पीएम मोदी से बैंकिंग रेग्युलेशन एक्ट में केंद्र सरकार से किए गए संशोधन को लेकर मुलाकात की है,जिससे सहकारी बैंकों के अधिक कम कर दिए गए हैं।'' पीएम और पवार की बैठक को लेकर अटकलों पर उन्होंने कहा, ''बैठक को लेकर अफवाहें फैलाई जा रही हैं, लेकिन पवार ने सीएम ठाकरे और कांग्रेस नेताओं को इसके बारे में पहले ही जानकारी दे दी थी। पवार ने पीएम मोदी से अपॉइंटमेंट लेकर मुलाकात की है। नवाब मलिक ने बीजेपी और एनसीपी को नदी के दो किनारे बताते हुए कहा कि जब तक इसमें पानी है वे साथ नहीं आ सकते हैं। मलिक ने कहा, ''बीजेपी और एनसीपी नदी के दो किनारे हैं, दोनों तब तक नजदीक नहीं आ सकते, जबकि नदी में पानी है। हम पूरी तरह अलग हैं, वैचारिक रूप से और राजनीतिक रूप से।''

मलिक ने कहा कि एनसीपी चीफ दो दिन से दिल्ली में हैं। राज्यसभा में बीजेपी के नेता नियुक्ति किए गए पीयूष गोयल ने उन्हें फोन किया था। कल शरद पवार ने रक्षामंत्री राजनाथ से भी मुलाकात की थी। कांग्रेस नेता एके एंटनी और सेना प्रमुख बी इसमें मौजूद थे। सरकार ने सीमा के हालात को लेकर जानकारी दी। दोनों पूर्व रक्षामंत्रियों ने इस तरह के मामलों से निपटने में अपने अनुभव भी सरकार के साथ साझा किए हैं।

पेंटर के साथ प्रेम में डूबी पतने के खिलाफ ड्राइवर ने उठाया खौफनाक कदम, कर दी हत्या

इरोड (एजेंसी)। तमिलनाडु के इरोड में एक व्यक्ति ने एक पेंटर के साथ कथित प्रेम संबंध के संदेह में अपनी पतने की गला घोंट कर हत्या कर दी। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि इरोड जिले के चितोड में यह घटना हुई है पुलिस के अनुसार पति पतने के बीच इस बात को लेकर आपस में झगड़ा होता रहता था कि महिला का एक पेंटर के साथ कथित तौर प्रेम प्रसंग है। उन्होंने बताया कि पेशे से चालक का काम करने वाले व्यक्ति ने 28 साल की पतने को अपने कथित प्रेमी से संपर्क समाप्त करने के लिये कहा था लेकिन वह उसके साथ कथित तौर पर छुप कर मिलती थी। पुलिस ने बताया कि सुबह पत्नी की हत्या करने के बाद आरोपी ने पुलिस के समक्ष आत्मसमर्पण कर दिया।

'सिद्धू+4' से खत्म होगा पंजाब का पंगा सामने आया कांग्रेस का फॉर्मूला

अमृतसर (एजेंसी)। पंजाब कांग्रेस में सियासी उठापटक जारी है। यह लड़ाई मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह और नवजोत सिंह सिद्धू के बीच छिड़ी है। कांग्रेस सुप्रीमो सोनिया गांधी के करीबी सूत्रों का कहना है कि इस संकट को सुलझा लिया गया है। जल्द ही नए फॉर्मूले की घोषणा कर दी जाएगी। कांग्रेस की अंतरिम अध्यक्ष सोनिया गांधी का आवास 10 जनपथ के करीबी सूत्र के अनुसार, जल्द ही हल होगा पंजाब कांग्रेस का संकट। आज नवजोत सिंह सिद्धू के पंजाब कांग्रेस के अध्यक्ष बनाए जाने की घोषणा कर दी जाएगी। उनके साथ 4 कार्यकारी अध्यक्षों के नाम का भी ऐलान होगा।

पंजाब कांग्रेस में रार के बीच आज प्रदेश के प्रभारी हरीश रावत ने शनिवार को चंडीगढ़ में मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह से मुलाकात की। बैठक के बाद हरीश रावत ने कहा कि कैप्टन ने कहा है कि उन्हें पार्टी की अंतरिम अध्यक्ष सोनिया गांधी का हर फैसला मंजूर होगा।

ऐसे में बड़ा सवाल यह है कि एक रात पहले तक सिद्धू को लेकर नाराज बताए जा रहे अमरिंदर ने अचानक सब कबूल कैसे कर लिया है रावत दिल्ली से ऐसा क्या संदेश लेकर चंडीगढ़ पहुंचे हैं इसको लेकर कयासबाजी चल रही है।

हरीश रावत से मुलाकात के बाद कैप्टन अमरिंदर ने अभी तक कुछ नहीं कहा है, लेकिन उनके मीडिया सलाकार की ओर से जारी बयान के मुताबिक, पंजाब के सीएम ने कहा है कि कांग्रेस अध्यक्ष की ओर से जो भी फैसला लिया जाएगा, उसका सब सम्मान करेंगे। हालांकि, उन्होंने कुछ मुद्दे भी उठाए हैं, जिनपर रावत ने सोनिया गांधी से चर्चा का भरोसा दिया है। बैठक के बाद बाहर निकलने हरीश रावत ने भी इन्हीं शब्दों को दोहराया और कहा कि पंजाब के सीएम कैप्टन अमरिंदर ने कहा है कि पार्टी अध्यक्ष सोनिया गांधी जो भी फैसला करेंगी, उसका वह सम्मान करेंगे। कांग्रेस नेता और पूर्व मंत्री नवजोत सिंह सिद्धू पंजाब कांग्रेस के चीफ सुनील जाखड़ से उनके पंचकूला स्थित आवास पर मुलाकात की है।

आगरा के मणप्पुरम गोल्ड लोन ब्रांच में लूट

17 किलो सोना और 5 लाख कैश लेकर टहलते हुए गए बदमाश

आगरा (एजेंसी)। आगरा के मणप्पुरम गोल्ड लोन कंपनी में शनिवार को 17 किलो सोना और 5 लाख कैश की लूट से यूपी पुलिस में हड़कंप मच गया। शहर के कमला नगर स्थित इस कंपनी की शाखा में दोपहर करीब एक बजे सबकी आंखों के सामने हथियारबंद बदमाश बड़ी आसानी से दाखिल हुए, कर्मचारियों को बंधक बनाया और इतनी बड़ी लूट को अंजाम देकर पैदल ही फरार हो गए। पुलिस के लिए अच्छी बात यह रही कि यह पूरी घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई जिसके आधार घटना के कुछ समय बाद ही एत्मादपुर इलाके में एक मुठभेड़ के बाद दो आरोपी पकड़ लिए गए। सूत्रों का कहना है कि आरोपितों के पास से लूट का सामान भी बरामद हुआ है। मुठभेड़ के दौरान आरोपितों के पैर में गोली लगी है।

घटना के बारे में अभी तक मिली जानकारी के अनुसार शनिवार दोपहर एक बजे के करीब कमला नगर के सेंट्रल बैंक रोड पर स्थित मणप्पुरम गोल्ड लोन कंपनी के ऑफिस में हथियारबंद बदमाश घुस गए। अंदर आते ही बदमाशों ने वहां मौजूद स्टॉफ को तमंचे के बल पर बंधक बना लिया। कुछ लोगों ने शोर मचाने की कोशिश की तो बदमाशों ने गोली मारने की धमकी देकर उन्हें चुप करा दिया। इसके बाद उन्होंने वहां मौजूद सोने के सारे जेवरात लूट लिए। बदमाश करीब 20 मिनट तक गोल्ड लोन कंपनी की शाखा रहे। उन्होंने ज्वैलरी के अलावा वहां रखे पांच लाख रुपये भी लूट लिए। इसके बाद बदमाश कंपनी के कर्मचारियों को अंदर बंद कर बड़ी आसानी से फरार हो गए।

बदमाशों के फरार हो जाने के बाद कर्मचारियों ने किसी तरह आसपास को लोगों को मदद के लिए बुलाया और बाहर से बंद गेट खुलवाया। घटना के बारे में पुलिस को सूचना दी गई। दिनदहाड़े शहर में हुई लूट की इतनी बड़ी वारदात की सूचना पर पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया। एसएसपी मुनिराज, एसपी सिटी बोत्रे रोहन प्रमोद समेत कई वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंच गए। पूछताछ के बाद उन्होंने बताया कि 17 किलोग्राम सोना और पांच लाख रुपए कैश की लूट हुई है। अधिकारियों के निर्देश पर पूरे प्रमुख चौराहों की नाकाबंदी कर दी गई। इसके बाद सीसीटीवी फुटेज की जांच कर पुलिस बदमाशों का सुराग लगाने में जुट गई।

बाइडन बोले- गलत सूचना से लोगों की जान ले रहे हैं सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने कहा कि सोशल मीडिया कंपनियां कोविड-19 रोधी टीकों के बारे में अपने मंचों पर भ्रामक सूचना को फैलने से रोकने में नाकाम रहकर लोगों की जान ले रही हैं। बाइडन की ये टिप्पणियां तब आयी है जब एक दिन पहले अमेरिका के सर्जन जनरल विवेक मूर्ति ने टीकों के बारे में गलत सूचना को जन स्वास्थ्य के लिए खतरा बताया था। अमेरिकी अधिकारियों ने सलाह दी कि इन टीकों से वायरस से मौत और गंभीर रूप से बीमार पड़ने से लगभग पूरी तरह बचा जा सकता है।

बाइडन से यह पूछा गया कि क्या उनके पास फेसबुक जैसे मंचों के लिए कोई संदेश है जहां कोरोना वायरस टीकों के बारे में

गलत या भ्रामक सूचना फैल रही है, इस पर उन्होंने कहा, ''वे लोगों की जान ले रहे हैं। उन्होंने कहा, ङ्कहमारे यहां सिर्फ उन लोगों में महामारी है जिन्होंने टीका नहीं लगवाया है। मूर्ति ने बृहस्पतिवार को कहा कि कोविड-19 के बारे में गलत सूचना जानलेवा है जिसे विश्व स्वास्थ्य संगठन ने ''किसी समस्या के बारे में ऐसी अत्यधिक सूचनाएं बताया हैं जो आमतौर पर अविश्वसनीय होती है, तेजी से फैलती है तथा जिससे किसी समाधान पर पहुंचना और मुश्किल हो जाता है।उन्होंने व्हाइट हाउस में कहा, ''गलत सूचना से हमारे देश के स्वास्थ्य को घातक खतरा पहुंचता है। हमें एक देश के तौर पर गलत सूचना से लड़ना चाहिए। जिंदगियां इसके भरोसे हैं। स्वास्थ्य पर गलत सूचनाएं फैलाने में इंटरनेट की भूमिका का जिक्र करते हुए मूर्ति ने कहा कि प्रौद्योगिकी कंपनियों और सोशल मीडिया मंचों को गलत सूचना फैलने से रोकने के लिए अपने उत्पादों तथा सॉफ्टवेयर में सार्थक बदलाव करने चाहिए। इस बीच फेसबुक के प्रवक्ता डेनी लीवर ने जवाब दिया, ''हम आरोपों से विचलित नहीं होंगे जो तथ्यों पर आधारित नहीं हैं। असल तथ्य यह है कि दो अरब से अधिक लोगों ने फेसबुक पर कोविड-19 और टीकों पर प्रामाणिक सूचना देखी जो इंटरनेट पर किसी भी अन्य मंच से अधिक है। लीवर ने कहा, ''अमेरिका के 33 लाख से अधिक लोगों ने हमारे उस वैक्सीन टूल का इस्तेमाल किया कि जिसमें यह जानकारी दी गयी कि कहां और कैसे टीका लगवाएं। तथ्य दिखाते हैं फेसबुक जिंदगियों को बचाने में मदद कर रहा है। ट्विटर ने अपने मंच पर लिखा, ''दुनियाभर में कोविड-19 महामारी फैलने के बीच हम प्रामाणिक स्वास्थ्य सूचना बढ़ाने के लिए अपना काम जारी रखेंगे।

आतंकियों को सौंपेगा पाक एफएटीएफ के फंदे में फंसी गर्दन तो मजबूरी में पास किया बिल

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान की संसद ने वैश्विक वित्तीय निगरानी संस्था एफएटीएफ द्वारा रखी गई शर्तों को पूरा करने के प्रयास के तहत अंतरराष्ट्रीय

अपराध के मामलों में कानूनी सहायता उपलब्ध कराने के संबंध में एक विधेयक पारित किया है। विपक्ष के विरोध के बीच शुक्रवार को ऊपरी सदन सीनेट ने परस्पर कानूनी सहायता (आपराधिक मामले) संशोधन विधेयक पारित कर दिया। जून, 2018 में पेरिस स्थित वित्तीय कार्रवाई कार्यबल (एफएटीएफ) द्वारा पाकिस्तान को 'ग्रे सूची' में रखा गया था और उसे अक्टूबर 2019 तक कदम उठाने के लिए एक कायर्योजना सौंपी गई थी। एफएटीएफ द्वारा बताए गए उपायों को लागू नहीं करने के कारण पाकिस्तान तबसे उसी सूची में बना हुआ है।

विधेयक के उद्देश्यों को लेकर कहा गया है कि अंतरराष्ट्रीय संगठित अपराध में वृद्धि ने अंतरराष्टीय समुदाय और पाकिस्तान के लिए कानूनी साधनों की प्रभावशीलता में सुधार करना आवश्यक बना दिया है। कानून में एकरूपता की कमी और देशों के बीच कमजोर समन्वय तंत्र के कारण सीमा पार अपराध के मामलों से मुकाबला करना प्रभावित होता है।

ब्रिटेन में लौटी कोरोना की तबाही

जनवरी बाद पहली बार 50 हजार नए केस, अब लॉकडाउन ही आखिरी विकल्प

लंदन (एजेंसी)। ब्रिटेन में कोरोना वायरस की अप्रत्याति उछाल ने एक बार फिर से दहशत पैदा कर दी है। ब्रिटेन में जनवरी के बाद से पहली बार एक दिन में कोरोना वायरस के 50 हजार से ज्यादा मामले सामने आए हैं। वहीं, खतरनाक वायरस से बीते 24 घंटे में 49 लोगों की मौतें हुई हैं। ब्रिटेन में जिस तरह से फिर से कोरोना विस्फोट हो रहा है, उससे एक बार फिर लॉकडाउन की आहट सुनाई देने लगी है। हेल्थ डिपार्टमेंट के मुताबिक, देश में एक दिन में 51870 कोरोना के पॉजिटिव केस मिले हैं। स्वास्थ्य विभाग के आंकड़े बताते हैं कि एक सप्ताह में पॉजिटिव केसों की संख्या में 45 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। इतना ही नहीं, अस्पतालों में भी फिर से भीड़ बढ़ने लगी है। कोरोना के मामलों में अचानक उछाल के बाद अब अस्पताल में

मरीजों की संख्या और मौतें दोनों लगातार बढ़ रही हैं। हालांकि, बढ़ते मामलों के लिए शीर्ष विशेषज्ञों ने कोरोना प्रतिबंधों में ढील और यूरो 2020 को दोषी ठहराया है।यह 15 जनवरी को सबसे अधिक 55,761 मामले सामने आए थे। हालांकि, ब्रिटेन के स्वास्थ्य मंत्री साजिद जाविद का कहना है कि ब्रिटेन में दो-तिहाई वयस्कों को कोविड-19 टीके की दोनों खुराक मिल गई हैं। उन्होंने कहा कि हमने अपने लक्ष्य को लगभग एक सप्ताह में पूरा कर लिया है। यह एक बहुत बड़ी उपलब्धि है। आगे आने वाले सभी लोगों को धन्यवाद। टीका वायरस के खिलाफ हमारी ढाल है। इधर, ब्रिटेन के स्वास्थ्य अधिकारियों की मानें तो कोरोना वायरस के डेल्टा स्वरूप की वजह से देश में कोरोना का प्रकोप बढ़ता जा रहा है। 'पब्लिक हैल्थ इंग्लैंड (पीएचई) ने कहा कि संक्रमण के मामले अधिक हैं तथा बढ़ते जा रहे हैं लेकिन उसके अनुरूप कोविड-19 के मरीजों को अस्पताल में भर्ती करने की उतनी जरूरत नहीं पड़ रही है जो इस बात का संकेत है कि कोरोना वायरस के इस बेहद संक्रामक स्वरूप के खिलाफ भी टीके प्रभावी हैं।